RNI No. MPHIN/2018/76422

बेबाकी के साथ...सच

माही की गूंज

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

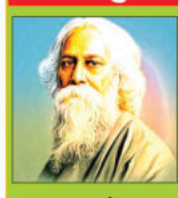

थोड़ा पढ़ना, ज्यादा सोचना, कम बोलना, ज्यादा सुनना, यही बुद्धिमान बनने के उपाय है।

रविन्द्रनाथ टैगोर

वर्ष-07, अंक - 19 (साप्ताहिक) | खवासा, गुरूवार 30 जनवरी 2025 | पृष्ठ-8, मूल्य -5 रुपए

महाकुंभ हादसे पर पीएम मोदी ने जताया दुख, घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना

नई दिल्ली, एजेंसी।

प्रयागराज महाकुंभ में हुई भगदड़ की घटना पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने हादसे में घायल श्रद्धालुओं के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की और पीड़ित परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स' पर लिखा प्रयागराज महाकुंभ में हुआ हादसा अत्यंत दुखद है। जिन्होंने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से इस घटना को लेकर कई बार बातचीत हुई है और राज्य सरकार से लगातार संपर्क बना हुआ है। पीएम मोदी ने यह भी आश्वासन दिया कि स्थानीय प्रशासन पीड़ितों की हरसंभव मदद कर रहा है।

इससे पहले, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि महाकुंभ मेला क्षेत्र में बढ़ती भीड़ के कारण भगदड़ की स्थिति बनी। उन्होंने बताया कि यह हादसा बैरिकेड फांदने के कारण हुआ, लेकिन स्थिति अब पूरी तरह नियंत्रण में है।

मुख्यमंत्री योगी ने श्रद्धालुओं से संयम बनाए रखने की अपील की और प्रशासन को सभी आवश्यक सहायता देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार पीड़ितों के साथ खड़ी है और घायलों के इलाज की पूरी व्यवस्था की जा रही है।

प्रशासन ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे सुरक्षा नियमों का पालन करें और किसी भी अफवाह से बचें।

पटपड़गंज रैली में पीएम मोदी ने दिखाया सम्मान

नई दिल्ली, एजेंसी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान पटपड़गंज रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीजेपी प्रत्याशी रविंद्र सिंह नेगी के पैर छूकर सभी को चौंका दिया। जब नेगी ने मोदी के पैर छुए, तो जवाब में पीएम मोदी ने भी झुककर उनके पैर छूए।

नेगी उत्तराखंड के मूल निवासी और दिल्ली नगर निगम के सदस्य हैं। उन्होंने पिछले चुनाव में मनीष सिसोदिया को कड़ी टक्कर दी थी। इस बार बीजेपी ने उन्हें पटपड़गंज से उम्मीदवार बनाया है।

रैली में पीएम मोदी ने कहा, ÷दिल्ली के विकास में कोई कमी नहीं रहने दूंगा।÷ बीजेपी को उम्मीद है कि नेगी पार्टी की जीत में अहम भूमिका निभाएंगे।

इसरो ने रचा इतिहास, 100 वें अभियान के बाद अब 200 प्रक्षेपण का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने बुधवार को अपनी 100वीं उड़ान पूरी कर ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल कर ली। श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से जीएसएलवी-एफ15 रॉकेट के जरिए एनवीएस-02 अभियान को सफलतापूर्वक प्रक्षेपित किया गया।

इसरो प्रमुख वी. नारायणन ने इस अवसर पर घोषणा की कि अगले पांच वर्षों में इसरो 200 अभियानों का आंकड़ा पार कर लेगा। उन्होंने बताया कि इसरो की आगामी योजनाओं में नासा-इसरो संयुक्त उपग्रह (एनआईएसएआर) और गगनयान कार्यक्रम के तहत मानवरहित जी-1 अभियान शामिल हैं।

इसरो अब तक छह पीढ़ियों के प्रक्षेपण यान विकसित कर चुका है, जिसकी शुरुआत 1979 में प्रोफेसर सतीश धवन और डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम के मार्गदर्शन में हुई थी। इस उपलब्धि के साथ भारत अंतरिक्ष क्षेत्र में नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहा है।

हाईकोर्ट के फैसले पर कमलनाथ ने जताई खुशी, 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण की मांग

भोपाल।

जबलपुर हाईकोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार द्वारा ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने के फैसले के खिलाफ दायर याचिका खारिज कर दी। इस पर पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने फैसले का स्वागत किया और इसे कांग्रेस की नीतियों की जीत बताया। उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव से भर्ती प्रक्रिया में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण तत्काल लागू करने की मांग की।

कमलनाथ ने कहा कि मार्च 2019 में उनकी सरकार ने ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का निर्णय लिया था, जिसे हाईकोर्ट के फैसले ने सही साबित कर दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने ओबीसी आरक्षण को कमजोर करने का प्रयास किया, लेकिन अब 27 प्रतिशत आरक्षण लागू करने का रास्ता साफ हो गया है।

कांग्रेस मीडिया सलाहकार पीयूष बबेले ने कहा कि हाईकोर्ट का फैसला कमलनाथ सरकार के निर्णय पर मुहर है और इससे भाजपा का ओबीसी विरोधी चेहरा उजागर हो गया है।

कमलनाथ ने मुख्यमंत्री मोहन यादव से अपील की कि वे जल्द से जल्द 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण लागू करें। उन्होंने कहा कि यह ओबीसी वर्ग का हक है, जिसे देने की जिम्मेदारी मौजूदा सरकार की है।

अमृत स्नान का इंतजार और हुई मौतें

प्रयागराज।

अमृत स्नान के इंतजार में सोये हुए श्रद्धालुओं की भगदड़ में मौत हो गई। संगम नोज पर हुए हादसे में मारे गए लोगों के परिजन अपनों के शव लेने के लिए घंटों मेडिकल कॉलेज में बिलखते हुए इंतजार करते रहे। जिन लोगों ने हादसे के दौरान दम तोड़ दिया, उनके शव मेडिकल कॉलेज के एनाटॉमी विभाग भेजे गए। हादसे के बाद अपनों की तलाश में परिजन सबसे पहले मेला क्षेत्र स्थित केंद्रीय अस्पताल पहुंचे। केंद्रीय अस्पताल से उन्हें मेडिकल कॉलेज जाने को कहा गया।

सुबह 10 बजे के बाद एनाटॉमी विभाग के सामने मृतकों के परिजनों का आना शुरू हुआ। कुछ देर में अपनों के शव लेने वालों की भीड़ लग गई। भीड़ में शामिल हर शख्स की आंखों में आंसू थे। परिश्रम बंगाल के उत्तर 24 परगना के स्वप्न विश्वास, जयप्रकाश सोनी, जगवंती देवी, सरोजा की तरह लगभग सभी लोग शवों के लिए घंटों इंतजार करते रहे। एनाटॉमी विभाग के अंदर बैठे कर्मचारियों ने उन शवों का पहले पंजीकरण किया, जिनकी शिनाख्त हो गई थी। पंजीकरण के बाद शवों को उनके परिजनों के हवाले किया गया। परिजनों के साथ शवों को घर तक पहुंचाने के लिए एंबुलेंस की व्यवस्था भी स्वास्थ्य विभाग की ओर से की गई। एंबुलेंस से शवों को उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, झारखंड, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल और गुजरात के शहरों में भेजा गया। शवों को ले जाने वाले चालकों का कहना था कि स्वास्थ्य विभाग जाने और आने का पूरा खर्च दे रहा है।

30 श्रद्धालुओं की मौत, यह रहा हादसे का कारण

महाकुंभ में भगदड़ में मरने वालों का आधिकारिक आंकड़ा शाम को प्रशासन ने जारी किया। प्रशासन के अनुसार इस हादसे में 30 लोगों की मौत हुई है। इनमें 25 की शिनाख्त हो गई है। 60 से ज्यादा लोग घायल हैं। इन्हें शहर के अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। 36 लोगों का इलाज मेडिकल कॉलेज में चल रहा है। सीएम योगी ने सभी का सरकारी खर्च पर इलाज का आदेश पहले ही दिया है। कई लोगों के परिवार में एक से ज्यादा की मौत हुई है। कुंभ नगर के डीआईजी वैभव कृष्णन ने बताया कि, भारी भीड़ के कारण बैरिकेड टूटने के बाद भगदड़ मची और सोए हुए व्यक्तिओ या बैठे हुए वयोक्तिओ के साथ रात करीब डेढ़ बजे हादसा हुआ है।

महाकुंभ के मेलाधिकारी विजय किरन आनंद के साथ प्रेस कांफ्रेंस करने पहुंचे डीआईजी ने किसी सवाल का जवाब तो नहीं दिया लेकिन इतना कहा कि, अखाड़ा मार्ग पर रात एक से दो बजे के बीच भारी भीड़ का दबाव बन गया था। इससे झूंसी इलाके में बैरिकेडिंग टूट गई और संगम की ओर घुसी भीड़ ने वहां पर स्नान का इंतजार कर रहे लोगों को कुचलना शुरू कर दिया। डीआईजी ने यह भी साफ किया कि आज कोई वीआईपी प्रोटोकाल नहीं था। एक हेल्पलाइन भी बनाई गई है। इसका नंबर 1920 है।

इस प्रेस कांफ्रेंस से कुछ घंटे पहले ही डीआईजी ने हादसे के लिए कुछ और ही वजह बताई थी। उस समय डीआईजी ने कहा था कि, भीड़ मौके पर मौजूद पुलिस वालों के अनुसार भीड़ का दवाब बढ़ने पर चेंजिंग रूम का गेट भीड़ पर ही गिर गया। इसके बाद ही भगदड़ मच गई। हालांकि डीआईजी ने अब जो कारण बताया है वही कारण मंगलवार की सुबह ही सीएम योगी ने भी बताया था। सीएम योगी ने कहा था कि बैरिकेडिंग टूटने के कारण भगदड़ मची है।

प्रयागराज सेवा समिति के संयोजक तीर्थराज पाण्डेय बच्चा भैया के नेतृत्व में संगम और कुंभ मेला क्षेत्र में तुलसी मार्ग पर शिविर चलाया जा रहा है। उसके सदस्यों और श्रद्धालुओं ने आंखों देखा हाल बताते हुए कहा है कि, संगम पर रात 2 बजे अमृत स्नान के योग के कारण अधिकांश श्रद्धालु वहां पर जमे थे। श्रद्धालु जहां सो रहे थे, उसी के बगल के बैरिकेडिंग टूटे और श्रद्धालु संगम की ओर दौड़ पड़े। इसके कारण सोए हुए श्रद्धालुओं को उठने का मौका भी नहीं मिला। सब कुचलते चले गए।

तीर्थराज पाण्डेय बच्चा भैया, नगर निगम जोन 4 की कक्ष अध्यक्ष, भाजपा पार्षद अनुपमा पाण्डेय, उनकी बहन निरुपमा, सोनू त्रिपाठी अनिल पाण्डेय ने दो बार भीड़ का रौद्र रूप और मौत को नजदीक से देखा। सभी को 18 नंबर पुल से जाने को कहा गया जो छोटा बखड़ा की ओर निकलता है। बीच में निकासी का कोई मार्ग न बनने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा।

मध्यप्रदेश की धर्मधरा
पेटलावद नगर में नववर्ष की पहली

महामांगलिक

महामांगलिक प्रदाता
भोपावर तीर्थोद्धारक, जीरावला तीर्थ मार्गदर्शक मालवभूषण
प.पू. आचार्यदेव श्री नवरनसागर सूरीश्वरजी म.सा.

महामांगलिक प्रदाता
भोपावर तीर्थोद्धारक, जीरावला तीर्थ मार्गदर्शक मालवभूषण
प.पू. आचार्य श्री विश्वरत्नसागर सूरीश्वर जी म.सा.

30 जनवरी 2025

सभी गुरु भगवंतो का

अभिनंदन

विनीत

सुरेंद्रकुमार पृथ्वीराज जी भंडारी अनुपम सुरेंद्रकुमारजी भंडारी (पार्षद)

भंडारी परिवार पेटलावद ,रतलाम

उत्कृष्ट विद्यालय मैदान यानि गरीब की जोरू सबकी भाभी

जो जब चाहे, जैसा चाहे इस्तेमाल कर ले और छोड़ दे

माही की गूंज, झाबुआ।

हायर सेकेंडरी ग्राउण्ड के नाम से पहचाने जाने वाले इस मैदान का नाम अब उत्कृष्ट विद्यालय मैदान हो चुका है। दरबार हायर सकेंडरी स्कूल के साथ लगा यह मैदान कई दशकों पुराना है। वैसे तो यह ग्राउंड शिक्षा विभाग व स्कूल का ही है, लेकिन इसका इस्तेमाल पिछले कई दशकों से हर कोई करता आया है। जिसकी जब जैसी मर्जी होती है वैसे आयोजन के उपयोग में इसे ले लिया जाता है और आयोजन के बाद इसे जैसा का तैसा छोड़ दिया जाता है। मतलब इस मैदान की स्थिति गरीब की जोरू सबकी भाभी जैसी हो गई है।

सभाएं, राजनीतिक आयोजन, विरोध प्रदर्शन, रैली, भगोरिया मेला जैसे कई आयोजन इस मैदान पर होते रहे है, लेकिन असल में यह मैदान इन आयोजनों के लिए बना ही नही है। यह मैदान तो विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए बना है जहां वे खेल सके और अपनी प्रतिभा को निखार सके। मगर इस मैदान के हालात कुछ ऐसे है कि, यहां कभी स्कूली बच्चे खेलते दिखाई ही नहीं दिए। इसके उलट यहां आए दिन कुछ न कुछ नए आयोजन देखने को मिलते हैं।

मैदान पर अब भी मेला व्यापारियों का कब्जा

हाल ही में यहां 1 जनवरी से 20 जनवरी तक मेले का आयोजन किया गया था। यह आयोजन किसने किया यह अलग विषय है, लेकिन अब मेला खत्म हुए भी एक सप्ताह से ज्यादा का समय बीत चुका है। मगर यह मैदान अब भी खाली नहीं हो सका हैं। मेले में आए झूला-चकरी व दुकानदार अब भी यही जमें हुए है। हालांकि दुकानें लगाई नहीं जा रही लेकिन मैदान खाली भी नहीं किया जा रहा है। उस पर सितम यह कि न तो इस मैदान की इतने दिनों से सफाई हुई है और ना ही किसी ने इन व्यापारियों को यहां से हटने का कोई नोटिस दिया है। झूले-चकरी लगाने के लिए मैदान में खोदे गए गड्ढों ने मैदान की सूरत ही बदल दी है। अगर यहां से झूला-चकरी व मेले में आए व्यापारी हट भी जाते है तो यह मैदान, खेल प्रतिभाओं के उपयोग लायक नहीं बचा है। अब जब भी आगे किसी को इस मैदान की आवश्यकता पड़ेगी वह अपने स्तर से इसे ठीक करेगा और उपयोग करने के बाद जस की तस हालत में छोड़ देगा।

मैदान की बदहाल स्थिति को ठीक करना किसकी जिम्मेदारी.. ?

सवाल यह कि, आखिर उत्कृष्ट विद्यालय के इस मैदान पर मेला लगाने या कोई भी आयोजन करने की स्वीकृति कौन देता है...? वैसे तो यह मैदान, शिक्षा विभाग का होकर उत्कृष्ट विद्यालय का खेल मैदान है। बावजूद इसके इसका कोई माईबाप नहीं है। वैसे तो मेला लगाने के लिए एसडीएम और नगरपालिका से परमीशन की आवश्यकता होती है। इसके लिए मेला आयोजकों को नगरपालिका में शुल्क भी जमा कराना होता है। मगर एक पेंच यहां भी है कि, जब यह खेल मैदान नगरपालिका का है ही नहीं तो फिर क्या यहां से होने वाला आर्थिक लाभ नगरपालिका को पहुंचता है या फिर उत्कृष्ट विद्यालय या शिक्षा विभाग को...? जो भी हो लेकिन हमारा यहां इतना सा कहना है कि, इस मैदान से होने वाला आर्थिक लाभ चाहे जिसका होता हो, लेकिन मैदान की बदहाल स्थिति को ठीक करना किसकी जिम्मेदारी है? मेला लगाने की परमिशन देने वाले जिम्मेदारों की, मेला आयोजकों की या फिर शिक्षा विभाग की? इस बात पर स्थिति पूरी तरह से असमंजस वाली ही है।

भगोरिया हाट बाजार में फिर लग जाएंगे झूले-चकरी

क्योंकि आने वाले समय में भगोरिया हाट बाजार नजदीक ही है और फिर से एक बार यह मैदान भगोरिया मेले में लगने वाले झूला-चकरी व्यापारियों की भेंट चढ़ने वाला है। वैसे तो हर बार यह मुद्दा उठता रहा है कि , मेला लगने के बाद मैदान की हालत बद से बदतर हो जाती है, मैदान में बड़े-बड़े गड्ढे कर दिए जाते है लेकिन इसे सुधारने में कोई भी जिम्मेदार किसी भी तरह की दिलचस्पी नहीं दिखाता है। विडम्बना यह कि, इस मैदान से जुड़े खेल प्रेमियों को ही अपने स्तर पर इस मैदान को सही करना पड़ता है। क्योंकि इस मैदान पर वे लगातार अपनी खेल प्रतिभा को निखारते है। हालांकि मेला लगवाने के लिए आर्थिक लाभ कमाने वाले इन खेल प्रेमियों को किसी तरह का कोई पारितोषिक नहीं देते।

गणतंत्र दिवस पर होने वाली पीटी की रिहर्सल भी नहीं हो सकी

होना तो यह चाहिए था कि, 20 दिवसीय मेला आयोजन के बाद यह मैदान तुरंत खाली करवाया जाना था। यह इसलिए भी जरूरी था कि, गणतंत्र दिवस के अवसर पर इस मैदान पर ही कई विद्यालयों के विद्यार्थी पीटी की रिहर्सल वर्षों से करते आए है। मगर इस बार इस मैदान पर किसी तरह की पीटी रिहर्सल नहीं की गई। इस पीटी रिहर्सल में कई निजी व शासकीय शैक्षणिक संस्थाओं के बच्चे हिस्सा लेते थे। इस बार यह रिहर्सल कहां हुई इसका पता नहीं। हुई भी या नहीं यह भी नहीं कहा जा सकता। हालांकि गणतंत्र दिवस के दो दिन पूर्व कॉलेज मैदान पर जरूर गणतंत्र दिवस पर होने वाली सांस्कृतिक कार्यक्रमों और परेड व पीटी का पूर्वाभ्यास किया गया था। इसके अलावा अगर शैक्षणिक संस्थाओं में इस की रिहर्सल हुई हो तो पता नहीं। मगर अब गणतंत्र दिवस का आयोजन निपट चुका है। अब तक उत्कृष्ट विद्यालय मैदान मेला व्यापारियों के कब्जे में है। आखिर ऐसा क्यों है यह किसी भी जिम्मेदार ने जानने की कोशिश नहीं की। न नगरपालिका में बैठे जिम्मेदारों ने यह जहमत उठाई कि आखिर मेला खत्म होने के इतने दिनों बाद भी यह व्यापारियों का टोला यहां क्यों है। ना जिला प्रशासन और पुलिस प्रशासन ने यह जानने की कोशिश की कि ,मेला खत्म होने के बाद यह व्यापारी यहां क्यों रूके हुए है।

आम लोगों व खेल प्रेमियों को उठानी पड़ रही परेशानी

1 से 20 जनवरी तक लगने वाला मेला अब उठ चुका है मगर यह खेल प्रेमियों के लिए अब तक खाली नहीं हुई है। इसका खामियाजा हर उस खेल प्रतिभा को उठाना पड़ रहा है जो यहां हर रोज अपनी प्रतिभा को निखारते थे। वैसे भी इस मैदान पर खेल प्रेमियों का जमावड़ा ज्यादा ही रहता है। क्योंकि यह एक मात्र मैदान है जो शहर के बीचो-बीच है। कम दूरी की वजह से खिलाड़ी इस मैदान पर आना ज्यादा पसंद करते है। हालांकि एक मैदान पीजी कॉलेज का भी है, लेकि शहर से दूरी के कारण यहां बहुत कम ही खिलाड़ी जाना पसंद करते है। हालांकि कॉलेज मैदान पर भी हर रोज खेल प्रेमियों की जमघट लगा रहता है। क्योंकि यहां आसपास कई हॉस्टल है। जिनमें रहने वाले विद्यार्थी इस मैदान का उपयोग करते है। सेना व पुलिस भर्ती की तैयारी करने वाले भी कॉलेज मैदान का ही उपयोग करते है। ऐसी स्थिति में उत्कृष्ट विद्यालय मैदान ही एक ऐसी जगह बचती है जो शहर के बीच है और यहां आसानी से पहुंचा जा सकता है। इसके अलावा शाम को घूमने वालों का जमावड़ा भी उत्कृष्ट विद्यालय मैदान पर ही लगता है। पिछले कई दिनों शहर के लोगों की दिनचर्या का हिस्सा यह मैदान मेला व्यापारियों के कब्जे में है और खिलाड़ियों व घूमने वाले नागरिकों को खासी परशानी का सामना करना पड़ रहा है।

मगर जिम्मेदार है कि इस अहम मुद्दे पर भी कुंभकर्णीय नींद में सोए हुए है। इसलिए हमने कहा है कि उत्कृष्ट विद्यालय मैदान यानि ''गरीब की जोरू सबकी भाभी'' वाली स्थिति में पहुंच चुका है।

महाकुंभ में शामिल होने जा रहे भोला भण्डारा परिवार का किया स्वागत

माही की गूंज, थांदला।

तीर्थ वह जो तारें जीवन में पुण्य का अर्जन करवाये यही भाव सनातन प्रेमियों में महाकुंभ में शाश्वत नदी पवित्र माँ गंगा में स्नान को लेकर होते है। 144 वर्षों में एक बार लगने वाला प्रयागराज महाकुंभ मेले में सेवा समर्पण व विश्व शांति की मंगल कामना को लेकर पुण्यार्जन करने माँ गंगा में डुबकी लगाने थांदला भोला भण्डारा परिवार के सदस्य निकल गए है। जिनमें श्रीमंत अरोरा, मनोहर दास चौहान, रमेशचंद्र हीहोर, मोहन चौहान, उदयसिंह सोलंकी, अशोक कारीगर, जगदीश राठौड़, सत्येंद्र ठाकुर व हिमांशु चौहान शामिल है। इस दौरान सभी भोलें भक्तों ने स्थानीय इमली गणेश मंदिर व बावड़ी मंदिर पर दर्शन वंदन कर कुशल यात्रा की प्रार्थना की। ऐसे में स्थानीय जीवदया प्रेमी संस्थापक अध्यक्ष पवन नाहर, मनोज उपाध्याय, आत्माराम शर्मा, गजेंद्र सिंह नायक, अमित अरोड़ा, योगेश चौहान आदि ने मिलकर सभी भोलें भण्डारा परिवार सदस्यों का स्वागत करते हुए उनकी शुभ यात्रा के लिए मंगल कामना प्रदान की। उल्लेखनीय है कि भोला भण्डारा परिवार के संरक्षक पिपलखुटा तीर्थ प्रेरक 1008 महंत दयारामदासजी महाराज एवं तलावड़ा के संत रघुवीरदासजी विगत एक पखवाड़े से प्रयागराज में रहकर मानवसेवा करते हुए धर्म प्रभावना कर रहे है। ऐसे में उनके आशीर्वाद के साथ विभिन्न अखाड़ों व विश्व के महान योगी साधकों के दर्शन का लाभ भी भोला भण्डारा परिवार को प्रयागराज तीर्थ पर लिया। ऐसे में करोड़ो भक्त भारत के विभिन्न कोनों से प्रयागराज तीर्थ पहुँच रहे है। थांदला से भी अब तक करीब 10 हजार से ज्यादा सनातन प्रेमी प्रयागराज में गंगा डुबकी लगाने का अनुमान है।

व्यक्तित्व का निर्माण करना ही संघ का कार्य है- दिनेश पारगी

आरएसएस के शताब्दी वर्ष पर निकाला पथ संचलन

माही की गूंज, मदरानी-मेघनगर।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में मेघनगर के मदरानी मण्डल में पथ संचलन का आयोजन किया गया। इस दौरान सैकड़ों गणवेशधारी स्वयंसेवकों ने घोष वाद्य की धुन पर अनुशासित कदमताल की। कार्यक्रम के अतिथि रमणलाल प्रजापत, हलिया भगत उपस्थित थे। कार्यक्रम में स्थानीय मातृशक्ति और गणमान्य नागरिकों ने रंगोली और पुष्पवर्षा के साथ स्वयंसेवकों का भव्य स्वागत किया। मुख्य वक्ता मेघनगर खण्ड के खंडकार्यवाह दिनेश पारगी ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि 1925 में विजयादशमी के दिन स्थापित संघ अब अपने 100 वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है। उन्होंने बताया कि संघ का मूल उद्देश्य राष्ट्र निर्माण और समाज का समग्र विकास है। पारगी ने कहा कि संघ की शाखाएं व्यक्ति निर्माण का केंद्र हैं, जहां हर आयु वर्ग के लोगों के लिए कार्यक्रम होते हैं। शाखाओं के माध्यम से राष्ट्रभक्ति और एकता का भाव विकसित किया जाता है। उन्होंने बताया कि संघ जाति-भेद को मिटाकर संपूर्ण हिंदू समाज को एकसूत्र में बांधने का प्रयास कर रहा है, जिसका लक्ष्य भारत को परम वैभव तक पहुंचाना है।

पारगी ने अपने संबोधन में कहा कि संघ वह पारस पत्थर है इसके संपर्क में आने से मनुष्य साधारण से और असाधारण हो जाता है संघ की ध्वज को प्रणाम करना है संघ की सदस्यता है। किसके साथ ही संघ का मुख्य उद्देश्य देशभक्ति निस्वार्थ सेवा, संघ का बाहर से नही जाना जाता है। इसके उद्देश्य को जानने के लिए शाखा में जाना अनिवार्य होता है। संघ में आकर व्यक्ति के सारे अवगुण छूट जाते हैं और वहां बाहर जाकर स्वच्छ समाज का निर्माण करता है ,अंत में महापुरुषों के जीवन पर प्रकाश डालते हुए महापुरुषों की गौरव और संघर्ष पर विस्तार से प्रकाश डाला गया।

आजाद युवा मित्र मंडल द्वारा द्वितीय युवा खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव का हुआ आयोजन

माही की गूंज, पेटलावद।

स्थानीय उत्कृष्ट स्कूल मैदान पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी आजाद युवा मित्र मंडल पेटलावद द्वारा 23 जनवरी को शुभारंभ होकर 24 जनवरी समापन तक दो दिवसीय द्वितीय युवा खेल एवं सांस्कृतिक महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न खेलों की प्रतियोगिताओं का आयोजन हुआ। 23 जनवरी को तीरंदाजी, बालिका खो-खो, 100 मीटर युवा दौड़ तथा 24 जनवरी को कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें करीब 30 टीमों ने भाग लिया। शुभारंभ के अवसर पर मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के ब्लॉक समन्वयक प्रवीण पंवार, शासकीय शिक्षक राजेश पाटीदार, आजाद युवा मित्र मंडल के संरक्षक गौरसिंह कटारा, खेल प्रभारी राकेश गामड़, खेल संयोजक राहुल परमार तथा अन्य सभी सदस्य टोली उपस्थिति रहे। द्वितीय दिवस के अवसर पर जनजाति विकास मंच के प्रांत संयोजक रूपसिंह नागर, समाजसेवी खेमसिंह जमरा, जनपद अध्यक्ष रमेश सोलंकी, तहसीलदार हुकुमसिंह निंगवाल, जनपद सीईओ राजेश दीक्षित आदि उपस्थित हुए तथा खिलाड़ियों से परिचय करके उनका हौसला बढ़ाया। समापन के अवसर पर कबड्डी के प्रथम विजेता बड़नगर, द्वितीय विजेता साहित्य अकादमी पेटलावद तथा तृतीय विजेता छोटा गुड़ा को मुख्य अतिथि युवा समाजसेवी संजय भाबर के कर कमलों द्वारा पुरस्कृत किया गया तथा ट्रॉफी भेंट की गई। सभी खेलों को बखूबी रूप से संपन्न करने के लिए युवा खेल एवं कल्याण विभाग के ब्लॉक समन्वयक हेमराज गणावा एवं व्हाय.डी. पुरोहित खेल शिक्षक पूरे समय उपस्थित रहे। खेल महोत्सव में भाग लिए प्रतिभागी एवं अतिथियों का आभार खेल संयोजक राहुल परमार एवं खेल प्रभारी राकेश गामड़ एवं समिति के सभी सदस्यों ने माना।

कर्म, कर्तव्य, स्वाभिमान, से दूर कर युवाओं को

अज्ञानता के अंधकार में धकेलता सोशल मीडिया

माही की गूंज,झाबुआ।

गणतंत्र दिवस के 76वें समारोह में सम्मिलित होने वाले युवाओं में कमी थी क्योंकि वो लाखों युवा भारत राष्ट्र के इस पर्व को छुट्टी मान कर अपने घर बिस्तर में मोबाइल के अंदर सोशल मीडिया के भ्रामक भंवर में बुद्धी को भ्रष्ट करने की दिशा में अग्रसर हो रहे थे, और देश में लागु किए गये संविधान की गरीमा को भूलकर राष्ट्रीयता में अपने विचारो का शुन्य कर रहे हैं।

भारत देश में युवाओं की संख्या अधिक है इसीलिए भारत को युवा देश भी कहा जाता है, जहां युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत स्वामी विवेकानंद जैसे मनीषि है उस भारत वर्ष के युवाओं में तेजी से भटकाव दिखाई दे रहा है। जिसका मुख्य कारण मोबाइल में दौड़ती भागती इंटरनेट की दुनिया के अंदर सोशल मीडिया का भ्रमजाल है। वर्तमान में इस भ्रमजाल ने सभी को जकड़ रखा है जिसमें विशेषरुप से युवाओं को बेड़ियों से बांध दिया है, और नई शुरुआत में छोटे-छोटे बच्चें भी इस भ्रामक भंवर में प्रवेश कर रहे हैं।

सोशल मीडिया जैसे फेसबूक, इंस्टाग्राम, व्हाट्स अप, और इनसे भी खतरनाक यु ट्युब जहां पर युवा पीढ़ी भ्रामक विडीयो, रील्स और गेमींग विडीयो को देखकर अपनी बुद्धी को क्षति पहुंचाकर पल-पल उसका पतन कर रहे हैं और बुद्धी का यह पतन इतनी धीमी गति से हो रहा है कि सामान्य जन मानस का इस ओर ध्यान भी नहीं है। कोई भी इस षड़यंत्र को समझने के लिए तैयार नहीं है कि, इसका प्रभाव किस प्रकार के फल देगा...

भारत के लिए वो फल विकृति लाकर विनाश की विशाल व्यवस्था को जन्म देगा, यह व्यवस्था पर्व और परंपराओ में विद्यमान वैज्ञानिकता की जड़ो को निष्क्रीय कर देगा जिससे स्वस्थ, प्रफुल्लित पुष्प, पत्ते, शाख मुर्झाकर अपने अस्तित्व को समाप्त कर देगा।

वर्तमान में भारत के करोड़ो युवा मोबाइल हाथ में लिए यु-ट्युब या रील्स देखकर समय का दुर्पयोग कर रहे हैं, जिस समय उनके हाथों में पुस्तकें होनी चाहिए या शैक्षणिक गतिविधि का कार्य होना चाहिए, लेकिन भ्रामक जाल में फंसे युवा पढ़ने, लिखने, बोलने, सुनने की स्वभाविक क्रिया से उस षड़यंत्र के कारण अपनी सभ्यता से दूर होते जा रहे हैं। वाचनालयो में कभी भीड़ हुआ करती थी किंतु बहुत से वाचनालय अब बंद किये जा चुके हैं, ग्रामीण और नगरिय क्षैत्र में यह स्थिति है कि लाखो युवा बिते गणतंत्र दिवस के समारोह में सम्मिलित नहीं हुए, अतिथियों के उद्बोधन को नहीं सुना और तो और टीवी, रेडियो पर राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री के उद्बोधन पर ध्यान तक नहीं गया। यहां तक कि जिस किसी अतिथि का उद्बोधन सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर आया युवाओ ने उसे भी अनदेखा कर दिया। स्थिति दिन पे दिन गंभीर होती जा रही है, पूजा-पाठ में भी मोबाइल की घुसपैठ से युवा पूजन प्रार्थना के प्राथमिक नियम को भूल से गए है, वहां भी फोटोग्राफ और विडीयो रील्स की मारामारी बनी हुई है। स्टेटस अपडेट, मेसेजींग, विडीयो शेयरींग में समय को व्यर्थ कर महत्वपूर्ण प्रक्रिया से वंचित कर लेते हैं, जिसका उन्हें कोई दुख या खेद भी नहीं होता। इसी तरह षड़यंत्र का शिकार होकर संस्कृति का संहार हो जाएगा।

हालांकि, सोशल मीडिया के भ्रमजाल में छोटे-छोटे बच्चें भी फंस चुके है वे माता पिता की गलती का ही शिकार हुए है क्योंकि उन माता-पिता ने पश्चिमी प्रभाव के फलस्वरुप अपनी संस्कृति और भारतीय परंपरा से पृथक होना चाहा जिसको उन्होंने विकसित व्यवस्था से जोड़ा, जबकि वो एक षड़यंत्र रचा हुआ था जिसके शिकार वे जाने-अनजाने होते गए और परिवार से दूरी बनती गई बिगड़ती गई, और फिर जब बच्चों ने हठधर्मी में उनके कार्यों में बाधा डाली तो कार्य में लीन माता पिता ने ही अपने बच्चों के हाथ में ऐसी वस्तु थमा दी जिससे वो स्वयं ही अपने भविष्य को धीमी गति से समाप्त कर भावी पीढ़ी को भी प्रभावित करेगे और उसे भी अज्ञानता के अंधकार में धकेल देगे।

रिकेश बैरागी

बहरहाल षड़यंत्र समाज की वर्तमान स्थिती को समाप्त करने का नहीं वरन यह तो आनेवाली पीढ़ी से भारतीय सभ्यता, संस्कृति और परंपरा को समाप्त करने का है जिसे समझना अति आवश्यक है, तभी हम हमारे मुल्यों को हमारी धार्मीकता की वैज्ञानिक पद्धति का संरक्षण कर पाएगे, प्रतिक्षा न करते हुए कर्तव पालन हमें ही करना होगा..

समाज को सुधारने वालो को इसकी मूल समस्या तक पहुंचना होगा और सबसे पहले कुटुंब प्रबंधन की व्यवस्था को जागृत कर उसे लाना होगा, जिससे परिवार में बच्चों की मजबूती पहले की भांती फिर से आने लगे। जब बच्चा अपने बड़े बुजुर्गो के साथ समय व्यतीत करेगा तो उसमें शरीरिक और मानसिक शक्ति पर्याप्त होगी और व्यर्थ विषय वस्तु से वो दूर भी रहेगा।

तमाम कवायदों के बावजूद शहर की यातायात व्यवस्था ध्वस्त

शहर में बनी पार्किंग व्यवस्था नही आ रही काम, कुछ लेगों ने अपने वाहन के लिए बना ली स्थाई पर्किंग

माही की गूंज, झाबुआ।
मुज्जमिल मंसूरी

जहां नगरपालिका और यातायात विभाग ने पार्किंग की व्यवस्था की थी वहां एक तरफ तो हस्तकला मेले का आयोजन हो रहा है। वही दूसरी पार्किंग में लोगों ने अपने वाहन निजी पार्किंग मानकर परमानेंट पार्क कर दिए है।

वैसे तो जिला मुख्यालय पर यातायात की समस्या को दशकों गुजर चुके है। मगर शहर में अब तक कोई ठोर ठीकाना दिखाई नहीं दिया है। हालांकि आते-जाते अधिकारी इसको लेकर नए-नए परीक्षण करते रहे है, लेकिन अब तक शहर की यातायात व्यवस्था को दुरूस्थ करने में कोई कामयाब नहीं हो सका है। बावजूद इसके सभी ने शहर की यातायात व्यवस्था को चुस्त-दुरूस्त करने की कवायदों को खूब प्रचारित - प्रसारित किया। हर बार नई घोड़ी, नया दाम की तर्ज पर आने वाला अधिकारी अपने हिसाब से चौसर जमाता और खूब वाहवाही लूटता। अखबारों में खबरें छपती, फोटो छपते लेकिन कुछ ही समय में स्थिति वापस ढाक के तीन ही साबित होती आई है। आते-जाते अधिकारियों ने कई परीक्षण करते हुए कही एकांगी मार्ग तो कहीं वेकल्पिक मार्ग, प्रतिबंधित मार्ग जैसे हथकंडे अपनाए। मगर यह सब सिर्फ थोड़े ही दिनों की कहानी रही। बाद में वापस स्थिति चौपट होती ही दिखाई दी है। इसमें सबसे बड़ा कारण यह है कि अधिकारी, व्यवस्थाओं को लेकर घोषणा और प्लान तो बना देते है, लेकिन उसके अमल में लाने की जिम्मेदारी हमेशा से ही अधूरी दिखाई देती है। अधिकारियों के दबाव में अमला भी तब तक ही सख्त दिखाई देता जब तक अधिकारी यहां टिका रहता। अधिकारी की रवानगी के बाद अमला भी ठंडे बस्ते में चला जाता। यह ऐसी प्रक्रिया है जो हर साल एक नई अधिकारी के साथ दोहराई जाती है। अधिकारियों के आने -जाने के साथ ही उनकी बनाई योजना और प्लान दोनों ही आते-जाते रहते है।

वर्तमान में भी स्थिति कुछ ठीक नहीं है। कहने को तो यातायात विभाग और नगरपालिका शहर में यातायात को सुगम करने के लिए कई तरह से काम कर रहे है लेकिन स्थिति है कि सुधरने का नाम ही नहीं ले रही है। बस स्टेंड की स्थिति भी काफी गंभीर बनी हुई है। बेतरतीब बसों का खड़े रहना। ऑटो चालकों का मनमर्जी से ऑटो स्टेंड के बाहर तितर बितर रहना, बदस्तूर जारी है। शहर के मुख्य बाजारों में दिन में तीन व चार पहियां वाहन प्रतिबंधित है, लेकिन बावजूद इसके इन्हे आसानी से मुख्य बाजारों में देखा जा सकता है। ये वाहन जहां प्रतिबंधात्मक सूचना लगी हो, उस रास्ते को छोड़कर दूसरे रास्ते से घूमते हुए मुख्य बाजार में पहुंच जाते है। हालांकि यातायात विभाग और नगरपालिका ने मुख्य बाजार में आने वालों के लिए बस स्टेंड के छतरी चौक पर दो पार्किंग स्थल बना रखे है। मगर इन पार्किंग स्थलों की स्थिति भी दयनीय ही दिखाई दे रही है। छतरी चौक पर पुलिस चौकी के समीप बनी पार्किंग स्थल के तो क्या ही कहने। मुसिबत यह है कि यहां कुछ लोगों ने अपने वाहनों की स्थाई पार्किंग बना ली है। इन पार्किंग स्थलों में इतने वाहन खड़े है कि, बाजार में आने वालों को वाहन खड़े करने की जगह ही नहीं बच पाती। कई चार पहियां वाहन तो ऐसे है जो महीनो से यहीं पड़े है।वाहनों पर जमी धूल यह बताती है कि, यह यहां कई महीनो से रखे हुए है। नतीजा यह होता कि, बाजार आने वाले लोग रोड़ पर ही अपना वाहन पार्किंग कर खरीदी के लिए बाजार में चले जाते है। इस दौरान वह वाहन कितने समय तक सड़क पर पार्क रहेगा इसका कोई अंदाजा नहीं है। क्योंकि कभी -कभी तो कई दो पहियां वाहन यहां घंटों सड़क पर ही पड़े रहते है। छतरी चौक पर बीच मार्ग में मोटरसायकलों की पार्किंग का नजारा आम होता जा रहा है।

पार्किंग स्थलों पर जगह न होने के कारण बाजार आने वाले लोग इस तरह सड़क पर ही अपने वाहन खड़े कर खरीदी के लिए निकल जाते है। जिससे यातायात तो बाधित होता ही है बल्कि दुर्घटना का भय भी बना रहता है।

इसी छतरी चौराहे पर यातायात विभाग और नगरपालिका ने सांची पाईंट के करीब एक और पार्किंग स्थल बनाया था। मगर यह भी इस काम में नहीं आ रहा है। वैसे तो आम दिनों में यहां छुटकर कपड़ा व्यापारी अपनी दुकानें लगाते है। पार्किंग के आगे की पट्टी में ऑटो चालकों का कब्जा है। दिक्कत यह है कि, बाहर की तरह ऑटो वाले वाहन पार्किंग नहीं करने देते तो अंदर की ओर छुटकर व्यापारी, वाहन खड़े करने पर बातें सुनाते है। इस दिक्कत से दो-चार ना होते हुए बाजार आने वाले लोग अपने वाहन बीच मार्ग में ही लगाकर अपने बाजार के काम निपटाते है। जिससे दिन में कई बार जाम की स्थिति भी निर्मित हो जाती है।

विडम्बना यह कि, सांची पाईंट के समीप वाली पार्किंग पर वर्तमान समय में हस्तशिल्प मेला लग रहा है। यह मेला यहां क्यों है इसका जवाब शायद नगरपालिका के पास तो होगा ही। क्योंकि हस्तशिल्प मेले में आई कई दुकानें यहां व्यवस्थित ढंग से तंबू बनाकर लगाई गई है। तो यह तय है कि मेला आयोजकों ने किसी न किसी से परमीशन तो ली ही होगी। वैसे यह नगरपालिका के कार्य क्षेत्र की बात है। यह भी हो सकता है कि, लंबे समय से आर्थिक स्थिति से जूझ रही नगरपालिका ने इसे आर्थिक लाभ प्राप्त करने के लिए किराए पर दिया हो। मगर नगरपालिका के इस आर्थिक लाभ के चक्कर और पार्किंग स्थल पर मेले वालों के कब्जे के बाद उपजी पार्किंग समस्या को नजर अंदाज कर दिया। अब स्थिति यह है कि बाजार में अपना दो पहियां वाहन लेकर आने वालों के लिए स्थिति कुछ ऐसी है कि धोबी का कुत्ता घर का ना घाट का। बाजार आने वाले की पहली समस्या तो यही है कि वाहन कहां खड़ा करेंगे...?

बस स्टेंड और छतरी चौक के आसपास की स्थिति अव्यवस्थित यातायात के कारण दिन ब दिन बिगड़ती ही जा रही है। हालांकि यहां यातायात पुलिस जवानों की तैनाती होती है, लेकिन वे इस समस्या के समाधान में असफल ही दिखाई देते है। नगरपालिका और यातायात विभाग को इस ओर गंभीर होकर विचार करना होगा कि, बनाई गई दोनों पार्किंगों को बाजार आने वालों के लिए खाली करवाया जाए। अन्यथा छतरी चौक के आसपास मुख्य मार्ग पर लगने वाले मोटरसाइकिलों के जमावड़े से किसी न किसी दिन कोई बड़ी दुर्घटना घटित हो जाएगी और जिम्मेदार मुंह तकते रह जाएंगे। इस चौराहे पर एक बड़ा खतरा यह भी है कि, उत्कृष्ट विद्यालय से बस स्टेंड पहुंच मार्ग पर तेज ढलान है और इसी मार्ग से बड़े व भारी वाहन नगर में प्रवेश करते और निकलते है। भगवान न करे कि, कोई भारी वाहन तेज ढलान से उतरते हुए ब्रेक फेल हो जाए और सीधा छतरी चौक पर बेतरतीब खड़ी मोटर साईकिलों में आकर दुर्घटना ग्रस्त हो जाए। तो यह अंदाजा लगाना भी मुश्किल होगा कि कितना नुकसान हो सकता है। उस समय इस तरह के हादसे का जिम्मेदार कौन होगा...? पार्किंग स्थल पर मेला लगवाकर आर्थिक लाभ प्राप्त करने वाली नगरपालिका या यातायात विभाग जो पार्किंग स्थल पर स्थाई पार्किंग व्यवस्था पर चुप्पी साध कर मुहैया करा रहा है।

आरएसएस : शताब्दी वर्ष पर निकला पथसंचलन

माही की गूंज, खवासा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष के उपलक्ष में खवासा खंड के उपखंड भामल मंडल का पथ संचलन रविवार को निकाला। गणवेश धारी स्वयंसेवक ने घोषबाद्य यंत्र की धुन पर अनुशासित कदमताल के साथ पथ संचलन निकाला। कार्यक्रम में अतिथि सरपंच प्रतिनिधि रघु चरपोटा, भीम सिंह नकुम, रामसिँह पालरा केशव सोलंकी आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे। कार्यक्रम में स्थानीय मातृशक्ति और गणमान्य नागरिकों ने रंगोली और पुष्प वर्षा के साथ स्वयंसेवक सेवकों का पथ संचलन के दौरान विशेष स्वागत किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में घनश्याम गुजर, पवन प्रजापत, सह खण्ड कार्यवाह, कुलदीप पाटीदार, भोदीक प्रमुख ने स्वयं सेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि, 1925 में विजयदशमी के दिन स्थापित संघ अब अपने 100 वे वर्ष में प्रवेश कर चुका है।उन्होंने बताया कि, संघ का मूल उद्देश्य राष्ट्रीय निर्माण और समाज का समग्र विकास है। घनश्याम गुजर उन्होंने कहा कि संघ की शाखाएं व्यक्ति निर्माण का केंद्र है, जहां आयु वर्ग के लोगों के लिए कार्यक्रम होते हैं,शाखोंओ के माध्यम से राष्ट्रभक्ति और एकता का भाव विकसित किया जाता है । संघ जाती-भेद को मिटाकर संपूर्ण हिंदू समाज को एक सूत्र में बांधने का प्रयास कर रहा है, जिस का लक्ष्य भारत को परम वैभव तक पहुंचाना है। साथ ही आदि वक्ताओं ने अपने उदबोधन में संघ के 100 वर्ष में किस तरह से अपने कार्य किये है व आगे देश के हित में संघ के उद्देश्य क्या है यह विस्तार से बताया।

साधु वेश अवसर हो जाता है महावीर बनने का -संत विश्व रत्न सागर जी

माही की गूंज, पेटलावद।

भव्य महामांगलिक आज, बड़ी संख्या में उपस्थित होंगे आमजन

जीवन में अशांति का कारण आसक्ति है। लोग कई बार ऐसी आसक्ति कर लेते हैं जिसका आपसे कोई संबंध ही नहीं होता है। जिस व्यक्ति के जीवन से आसक्ति निकल जाती है उसके स्थान पर वितरागता आ जाती है। उसे संसार असार लगने लगता है मन बैरागी हो जाता है। सफेद वस्त्र धारण करना एक ट्रायल है। जो सफल हो जाता है उस साधु का वेश अवसर हो जाता है महावीर बनने का। साधु यानी परिपूर्णता नहीं अपितू पूर्णता की ओर बढ़ने की क्रिया है। हमारा सम्मान वेश की वजह से है यह वेश नहीं तो हम कुछ नहीं है। वेश धारण करने के बाद अगर हम साधु में अहंकार आ जाए तो वह धारण करना व्यर्थ है। आसक्ति से ही दुनिया के 90 प्रतिशत लोग या तो दुखी हैं या अशांत है। उक्त बात मालवा के प्रसिद्ध संत विश्व रत्न सागर जी ने समग्र जैन समाज की महती उपस्थिति में पेटलावद स्थानक भवन में कहे। संत विश्व रत्न सागर जी ने आगे कहा कि धर्म हमें समझा रहा है लोभ मुरछा है, जो अशांति वह पश्चाताप ही देगा। हम संयमी में अगर लोभ है आसक्ति है तो हमारा संयम द्रव्य संयम की श्रेणी का होगा भाव संयम नहीं होगा।आपने सत्य घटना पर आधारित मर्मस्पर्शी कहानी भी सुनाई।

युवा संत कीर्ति रत्न सागर जी ने कहा सम्यक दर्शन से जैनतत्व की शुरुआत होती है। जिसके पास सही समझ व श्रद्धा होती है वह सच्चा कल्याण मित्र है। चेक कितने का भी भर लो पर जब तक साइन नहीं है वह कागज है। वैसे ही अगर हम में सम्यक दृष्टि नहीं है तो हम सच्चे जैन नहीं है।

मंगलवार को एक शाम नाकोड़ा भैरव के नाम का आयोजन खुशबू गार्डन पर रखा गया। जिसमे बड़ी संख्या में समाजजनों ने पहुँच कर भक्ति रस का लाभ लिया। जिसमें भारत के पांच प्रसिद्ध भजन गायकों ने भाग लिया। दिन में आदि व्याधि हरण नाकोड़ा भैरव का यज्ञ का आयोजन भी किया गया। जिसे आदेश्वर दादा का अभिषेक विधि विधान से आचार्य श्री ने संपन्न करवाया। जिसमें कई भक्तों ने लाभ लिया।

महामांगलिक आज ,बड़ी संख्या में शामिल होंगे श्रावक-श्राविका

संत विश्व रत्न सागर जी का आज महा मांगलिक होना है जिसकी तैयारियो में पूरा जैन समाज जुटा हुआ है । संत के आगमन के बाद से ही पूरा नगर गुरुदेव के अभिनन्दन और स्वागत से सजा हुआ है। आज होने वाले महा मांगलिक में बड़ी संख्या में जैन धर्मावली और अन्य समाज के लोगों के उपस्थित होने की संभावना है। उक्त आयोजन की तैयारियों में लगे सुरेंद्र भंडारी ने बताया कि महामांगलिक सुनने और गुरुदेव के दर्शन के लिए न केवल नगर बल्की आसपास के नगरों ओर आसपास के राज्यों से भी बड़ी संख्या में जैन धर्मावली के लोग आ रहे है ,नगर में उक्त महा आयोजन को लेकर उत्साह है और अन्य समाज की और से इस आयोजन के लिए सहयोग मिल रहा है। नगर के लिए गौरव का विषय है संत विश्व रत्न सागर जी के महामांगलिक का आयोजन हो रहा है।

गणतंत्र दिवस पर रंगारंग प्रस्तुति दी

माही की गूंज, भामल।

अखिल भारतीय दयानंद सेवा आश्रम संघ द्वारा संचालित भामल की एमडीएच स्कूल में गणतंत्र दिवस पर सर्वप्रथम राष्ट्रीय हित हेतु हवन किया गया। उसके बाद वीरेंद्र सिंह राठौड़ द्वारा झंडा फहराया गया। राष्ट्रगान के बाद सभी बच्चे विद्यालय प्रांगण पहुचे ततपश्चात देशभक्ति गीत में नन्हे मुन्ने बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। और हिंदी संस्कृत, अंग्रेजी भाषा में देशभक्ति भाषण प्रस्तुत किया। विद्यालय के बच्चों द्वारा व्यायाम प्रदर्शन किया गया। सभी कार्यक्रम को देखकर अतिथि ने प्रत्येक कार्यक्रम में प्रोत्साहित राशि छात्रों को दी।

कार्यक्रम में ग्राम भामल के उपसरपंच राजू डांगी, केशव सिंह सोलंकी , कैलाश खेर, कमल सिंह चावड़ा, भेरूलाल चौहान , राम सिंह पालरा समस्त विद्यालय स्टाफ,पालकगण और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

भामल शासकीय स्कूल में भी गणतंत्र दिवस हर्ष उल्लास के साथ देश भक्ति के गीतों के साथ ग्रामीण अंचलों में भी बड़ी ही धूमधाम से गणतंत्र दिवस मनाया गया।

संपादकीय

जलवायु संकट में बच्चे

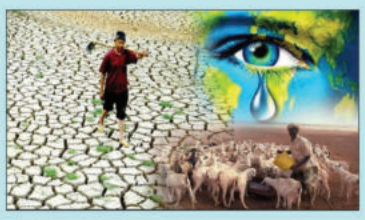

यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि ग्लोबल वार्मिंग ने हमारे दरवाजे पर दस्तक दे दी है। रिकॉर्ड तोड़ गर्मी से जहां सामान्य जन-जीवन बाधित है, वहीं खेती किसानी पर भी नया संकट मंडरा रहा है। खासकर भारत जैसे देश में जहां अधिकांश कृषि मानसूनी बारिश पर निर्भर है। सबसे बड़ा संकट हमारे कृषि क्षेत्र पर है, जहां उत्पादकता घटने से हमारी खाद्य सुरक्षा खतरे में पड़ती नजर आ रही है। लेकिन अब 'नेचर क्लाइमेट चेंज' पत्रिका में प्रकाशित वह रिपोर्ट चौंकाती है, जिसमें खुलासा किया गया है कि भारत में करीब साढ़े पांच करोड़ बच्चों की शिक्षा हीटवेव से बाधित हुई है। यह संकट यूं तो पूरी दुनिया में है लेकिन दक्षिण एशिया के अन्य देशों के मुकाबले दुनिया की सर्वाधिक जनसंख्या वाले भारत में इसका ज्यादा प्रभाव देखा गया है। रिपोर्ट दावा करती है कि वर्ष 2024 में लू के कारण भारत में शिक्षा व्यवस्था पर खासा प्रतिकूल असर पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष यानी यूनिसेफ की रिपोर्ट 'लर्निंग इंटरप्टेड- ग्लोबल स्नैपशॉट ऑफ क्लाइमेट-रिलेटेड स्कूल डिसरप्शंस इन 2024' में यह चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। उल्लेखनीय है कि अब तक कृषि व मौसम के चक्र पर ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों के अध्ययन निष्कर्ष तो सामने आए, लेकिन बच्चों के प्रति कोई ऐसा संवेदनशील अध्ययन सामने नहीं आया था। जिसने जहां एक ओर अभिभावकों की चिंता बढ़ा दी, वहीं सरकार पर दबाव बनाया कि वह बच्चों व शिक्षा पर जलवायु परिवर्तन से होने वाले असर को कम करने के लिये कारगर नीतियां यथाशीघ्र बनाये। निस्संदेह, यह अध्ययन देश के नीति-नियंताओं को चेताता है कि जलवायु परिवर्तन के प्रभावों से बच्चों को बचाने के लिये शिक्षा ही नहीं स्वास्थ्य आदि अन्य क्षेत्रों में व्यापक पैमाने पर काम करने की जरूरत है। शिक्षाविदों के साथ ही चिकित्सा बिरादरी के लोगों को भी इस ज्वलंत मुद्दे पर मंथन करने की जरूरत है क्योंकि अध्ययन में वर्ष 2050 तक बच्चों पर गर्म हवाओं का असर आठ गुना तक बढ़ने की आशंका है।

बीता साल एक सदी से अधिक अवधि के बाद का सबसे गर्म साल घोषित किया गया है। मौसम विभाग ने सूचित किया था कि वर्ष 2024 वर्ष 1901 के बाद सबसे अधिक गर्म साल रहा है। जो ग्लोबल वार्मिंग के भयावह संकट को ही उजागर करता है। यह भी कि यदि देश-दुनिया में ग्रीन हाउस गैसों के नियंत्रण के लिये वैश्विक सहमति शीघ्र नहीं बनती तो आने वाले वर्षों में तापमान में और वृद्धि हो सकती है। जो न केवल बच्चों की शिक्षा बल्कि उनके स्वास्थ्य पर भी प्रतिकूल असर डालेगा। संयुक्त राष्ट्र बाल कोष ने चेतावनी दी है कि ग्लोबल वार्मिंग संकट से बच्चों की शिक्षा बाधित होने से उनके भविष्य पर दुष्प्रभाव पड़ेगा। लू की गर्म लहरों के बीच छोटे बच्चों का स्कूल जाना संभव नहीं हो पाता। अभिभावक भी पढ़ाई की तुलना में उनके जीवन को प्राथमिकता देते हैं। ऐसे में समय रहते स्कूलों के समय निर्धारण में परिवर्तन और बढ़ती गर्मी से जुड़ी सावधानियों के प्रति जागरूकता बढ़ाकर इस संकट का मुकाबला किया जा सकता है। इसके अलावा देश में जलवायु परिवर्तन प्रभावों का हमारे जन-जीवन पर पड़ने वाले प्रभावों के मूल्यांकन के लिये व्यापक अध्ययन व शोध करने की जरूरत महसूस की जा रही है। यदि समय रहते कदम नहीं उठाए गए तो इसके प्रभाव दीर्घकालीन हो सकते हैं। उल्लेखनीय है कि यूनीसेफ ने जिस अध्ययन का हवाला दिया है वह ओस्लो यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के निष्कर्ष हैं। यह कोशिश भारत के विश्वविद्यालयों व शोध संस्थानों द्वारा की जानी चाहिए ताकि निष्कर्ष भारतीय परिस्थितियों के हिसाब से स्वदेशी अध्ययन के चलते अधिक प्रमाणिक हों। लेकिन इसके अलावा ओस्लो विश्वविद्यालय के अध्ययन में उल्लेखनीय तथ्य यह है कि भारत को ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों की दृष्टि से अधिक संवेदनशील बताया गया है। हालांकि, बीते वर्ष ग्लोबल वार्मिंग के प्रभावों से पूरी दुनिया के चौबीस करोड़ बच्चों की पढ़ाई मौसम की तल्खी से बाधित हुई है। बड़ी संख्या में बच्चे मौसमी व्यवधानों के चलते स्कूल नहीं जा पाए। निस्संदेह, परीक्षा परिणाम प्रभावित होने से बच्चों के भविष्य पर इसका प्रतिकूल असर दीर्घकालिक हो सकता है।

दुनिया की दुखती रग पर चोट दी ट्रंप ने

दिनेश सी. शर्मा

अमेरिकी राष्ट्रपति का ओहदा संभालते ही डोनाल्ड ट्रंप ने जिन कार्यकारी आदेशों पर सबसे पहले हस्ताक्षर किए उनमें एक है विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका का हटना। आदेश में दलील दी गई है कि यह निर्णय 'चीन के वुहान से शुरू हुई कोविड महामारी और अन्य वैश्विक स्वास्थ्य संकटों को ठीक से न संभाल पाना, फौरी तौर पर जिन सुधारों की जरूरत थी उन्हें करने में विफलता और संगठन के सदस्य देशों के अनुचित राजनीतिक प्रभाव से खुद को मुक्त रख पाने में इसकी 'अक्षमता' के बाद लिया गया है।' आदेश में कहा गया है कि अमेरिका चीन जैसे देशों की तुलना में विश्व स्वास्थ्य संगठन को 'कहीं अधिक' सहायता दे रहा हैदृ चीन की आबादी 1.4 बिलियन है, लेकिन वह बहुत कम राशि का योगदान करता है। ट्रंप के इस फैसले में न केवल अमेरिका बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा पर दूरगामी प्रभाव निहितार्थ है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के प्रति ऐसी हेठी उनके पहले कार्यकाल के दौरान में भी स्पष्ट थी, जब दुनिया कोविड महामारी की मार से जूझ रही थी। स्थिति को ठीक से न संभालने के लिए उन्होंने इस स्वास्थ्य एजेंसी को सीधे तौर पर दोषी ठहराया था। ट्रम्प ने इसको दिए जाने वाले अमेरिका के अंशदान को ऐसे वक्त पर रोक दिया था जब वह सदी के सबसे बुरे वैश्विक स्वास्थ्य आपातकाल से जूझ रहा था। उन्होंने विश्व स्वास्थ्य संगठन से अमेरिका की अंतिम वापसी की प्रक्रिया शुरू कर भी दी थी, लेकिन ऐसा होने से पहले, वे चुनाव हारकर सत्ता से बाहर हो गए थे। उनके बाद आए जो बाइडेन ने उक्त आदेश को उलट दिया और डब्ल्यूएचओ को अमेरिका का वित्तीय अंशदान बहाल कर दिया था। अब नए जारी किए गए कार्यकारी आदेश का मतलब है कि अमेरिका एक साल के भीतर संगठन को अपनी वित्तीय सहायता बंद कर देगा। वर्तमान में, डब्ल्यूएचओ के कुल वित्त पोषण में अमेरिका का अंशदान लगभग 18 फीसदी है। दो साल (2024 और 2025) के लिए विश्व स्वास्थ्य संगठन का बजट 6.8 बिलियन डॉलर है।

डब्ल्यूएचओ का गठन द्वितीय विश्व युद्ध के बाद, स्वास्थ्य और बीमारियों के महत्वपूर्ण मामलों से निपटने के मंतव्य से एक विशेष संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के रूप में किया गया था। इसे वैज्ञानिकों, चिकित्सा विशेषज्ञों और स्वास्थ्य नीति निर्माताओं के अंतर्राष्ट्रीय नेटवर्क युक्त एक तकनीकी एजेंसी के रूप में कार्य करने के लिए अधिकृत किया गया था। इसके मुख्य कार्यों में एक है नए पैदा हो रहे संक्रमणों पर निगरानी एवं सूचना साझा करना। दशकों से, इस एजेंसी के काम ने चेचक, यॉस, पीला बुखार, कुष्ठ रोग और पोलियो जैसी बीमारियों के उन्मूलन और नियंत्रण में मदद की है। यूएन एड्स नामक एक नई एजेंसी के माध्यम से इसकी एचआईवी/एड्स पर की वैश्विक कार्रवाई भी उल्लेखनीय रही। अब, इसका ध्यान तपेदिक उन्मूलन पर है।

वर्ष 2000 से नए संक्रमणों के उभरने और पुराने संक्रमण- जैसे कि सार्स, बर्ड फ्लू, एमईआरएस, इबोला, एमपॉक्स और कोविड 19 के लिए उभरने से एजेंसी का काम अधिक ध्यान खींच रहा है। एक वैश्वीकृत, एक-दूसरे से बहुत अधिक जुड़े एवं परस्पर निर्भरता वाले विश्व में, स्वास्थ्य सुरक्षा सीधे तौर पर अर्थव्यवस्था के साथ जुड़ी हुई है। डब्ल्यूएचओ से हटने का फैसला वैश्विक समुदाय के अलावा खुद अमेरिका के लिए भी बुरा रहेगा। यह अमेरिका की दवा निर्माता कंपनियों को विश्व स्वास्थ्य संगठन के महामारी, इनफ्लुएंज़ा तंत्र से मिलने वाले रोग के प्रकोप और स्वास्थ्य आपात स्थिति संबंधी महत्वपूर्ण डेटा से वंचित कर देगा। यह निर्णय आगे वैश्विक महामारी संधि और अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमन जैसे अन्य तंत्रों में चल रही वार्ताओं से अमेरिका के हटने की राह खोलेगा। डब्ल्यूएचओ के साथ काम कर रहे दर्जनों अमेरिकी विशेषज्ञों को भी वापस बुलाकर अन्यत्र नियुक्त किया जाएगा। दो अमेरिकी संस्थान- सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल और नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ- महत्वपूर्ण मुद्दों पर डब्ल्यूएचओ के साथ काफी गहरे तक जुड़े हैं। ऐसी साझेदारियों का खत्म होना परस्पर हानिकारक रहेगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के लिए, अपने सबसे बड़े दानदाता का चले जाना एक गंभीर झटका है, वह भी ऐसे समय में जब अन्य देशों का योगदान पहले से ही कम होता जा रहा है। अमेरिका के बाद, अगला सबसे बड़ा दानदाता देश जर्मनी है, जिसका एजेंसी के वित्त पोषण में योगदान लगभग 3 प्रतिशत है। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में, डब्ल्यूएचओ को कुछ गैर-राजकीय दानदाताओं से मिलने वाले धन में काफी वृद्धि हुई है। बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन इस सूची में सबसे ऊपर है, उसके बाद नंबर आता है यूरोपियन आयोग और विश्व बैंक का। गेट्स फाउंडेशन पोलियो उन्मूलन और टीकों जैसे क्षेत्रों में काम में मदद कर रहा है। यदि अमेरिका द्वारा वित्तीय मदद बंद करने के बाद विश्व स्वास्थ्य संगठन को मिलने वाला राष्ट्रीय वित्त पोषण नहीं बढ़ता, तो इसकी निर्भरता गेट्स जैसे निजी दानदाताओं पर बढ़ सकती है। संयुक्त राष्ट्र एजेंसी के स्वतंत्र कामकाज के लिए यह स्थिति अच्छी नहीं होगी। आलोचकों का मानना है कि निजी वित्त पोषण के साथ कुछ शर्तें जुड़ी होती हैं, जो बदले में वैश्विक स्वास्थ्य एजेंडे को प्रभावित कर सकती हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के कामकाज को और अधिक कुशल, पारदर्शी और उत्तरदायी बनाने के लिए इसमें सुधार की मांग करना जायज है। महामारी के मद्देनजर, भारत ने भी 2020 में जी-20 और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन जैसे बहुपक्षीय मंचों पर इस मुद्दे को उठाया था। भारत का सुझाव है कि डब्ल्यूएचओ को कोविड-19 जैसी सार्वजनिक स्वास्थ्य आपात स्थिति घोषित करने के लिए वस्तुनिष्ठ मानदंड और मापदंड तैयार करने चाहिए। अन्य देशों ने भी इसी प्रकार की मांग की है। संयुक्त राष्ट्र निकाय होने के नाते, डब्ल्यूएचओ आलोचना के लिए खुला है और सुधारों के विचार को आगे बढ़ाने के लिए मंच मौजूद हैं, लेकिन इसे भंग करना या इसे फंड से वंचित करना समाधान नहीं है। वहीं सुधार संबंधी मांग का जवाब देते हुए, डब्ल्यूएचओ ने कहा है कि उसने अपने इतिहास में सुधारों का सबसे बड़ा सेट लागू किया है, जिसमें 'जवाबदेही, लागत-प्रभावशीलता और देशों में प्रभाव' शामिल हैं।

मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बढ़ाएगी खपत

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

मध्यम वर्ग की क्रय शक्ति बढ़ाएगी खपत

इन दिनों पूरे देश के साथ-साथ मध्यम वर्ग की निगाहें वित्तमंत्री द्वारा एक फरवरी को प्रस्तुत किए जाने वाले केंद्रीय बजट 2025-26 की ओर लगी हुई हैं। दरअसल, देश के विकास का इंजन कहे जाने वाले मध्यम वर्ग की मुट्ठियों में धन की कमी के कारण उनके निजी उपभोग पर होने वाले खर्च में गिरावट से विकास दर प्रभावित हो रही है। उम्मीद है कि वित्तमंत्री आगामी बजट में टैक्स में कटौती और वित्तीय प्रोत्साहनों से आयकरदाता और मध्यम वर्ग की क्रयशक्ति बढ़ाकर मांग में वृद्धि करके अर्थव्यवस्था को गतिशील बनाएंगी। कयास लगाए जा रहे हैं कि वित्तमंत्री नए टैक्स रिजीम के तहत 10 लाख रुपये तक की कमाई को टैक्स फ्री कर सकती हैं। इससे मध्यम वर्ग के हाथ में जो अतिरिक्त धनराशि बचेगी, उससे खपत बढ़ाने में बड़ी मदद मिलेगी।

वस्तुतः मध्यम वर्ग के खर्च और निजी उपभोग का देश की विकास दर की रफ्तार से सीधा संबंध है। कोरोना-19 के बाद से मध्यम वर्ग के पास अपने उपभोग खर्च के बाद निवेश के लिए खर्च में लगातार कमी आ रही है। मध्यम वर्ग की जीवनशैली को बनाए रखने की लागत में अत्यधिक तेज वृद्धि ने इस वर्ग की वित्तीय मजबूती कम की है। बढ़ती हुई, खुदरा महंगाई ने भी मध्यम वर्ग के परिवारों पर वित्तीय दबाव को बढ़ा दिया है। पिछले वर्ष 2024 में खाद्य पदार्थों की खुदरा महंगाई रिजर्व बैंक के निर्धारित मानक से अधिक रही है। स्थिति यह है कि निजी उपभोग में कमी ने निजी पूंजीगत व्यय के चक्र की रफ्तार घटा दी है। कोविड-19 के बाद मध्यम वर्ग की कमाई की रफ्तार में कमी आई है। साथ ही बढ़ती वित्तीय देनदारी और कर्ज की किस्त अदायगी का बोझ बढ़ने से मध्यम वर्ग चिंतित है।

निःसंदेह, सरकार ने विगत वर्षों में जहां गरीब लोगों के लिए ढेर सारी राहतों का ऐलान किया, वहीं कॉर्पोरेट जगत पर भी सरकार ने ध्यान दिया। लेकिन सबसे अधिक टैक्स देने वाला मध्यम वर्ग पीछे छूट गया। पिछले विभिन्न बजटों में मध्यम वर्ग की चिंताओं पर विशेष ध्यान नहीं दिया गया है। इस वर्ग पर लगाए गए कर की तुलना में इस वर्ग को सार्वजनिक सेवाओं के जरिए बहुत कम रिटर्न मिला है, ऐसे में यह अपेक्षा की जा रही है कि आगामी बजट सरकार के लिए लक्षित कर सुधारों को आगे बढ़ाने, शहरी उपभोग मांग को बढ़ाने और मध्यम वर्ग को सीधे लाभ पहुंचाने वाली सेवाओं को बढ़ाने वाला बजट होगा।

उपयुक्त कर राहत से एक अच्छा आर्थिक चक्र बन सकता है। निस्संदेह, मध्यम वर्ग पर कर का बोझ कम करने से खपत बढ़ेगी। इससे जीएसटी संग्रह में वृद्धि होगी और कर योग्य आय वालों का आधार बढ़ेगा।

उल्लेखनीय है कि पिछले 10 वर्षों में लगातार आयकर रिटर्न भरने वाले आयकरदाताओं की संख्या और आयकर की प्राप्ति में छलांगें लगाकर वृद्धि हुई है। चालू वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल से दिसंबर, 2024 तक आयकर सहित प्रत्यक्ष कर संग्रहण करीब 16 लाख करोड़ रुपये रहा है, जो कि पिछले साल की इसी अवधि के मुकाबले 16 फीसदी से भी ज्यादा है। इस परिप्रेक्ष्य में आईसीआरए की रिपोर्ट कहती है कि आगामी बजट में सरकार व्यक्तिगत आयकरदाताओं को राहत दे सकती है, इससे कर संग्रह पर असर पड़ने का खतरा नहीं है। वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान प्रत्यक्ष कर संग्रह में 12 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। इस अनुमान का आधार आय और कॉर्पोरेट कर राजस्व में इजाफा होना है। अप्रत्यक्ष करों में 9 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है। जीएसटी संग्रह में 10.5 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। सीमा शुल्क में भी 5 प्रतिशत की वृद्धि का अनुमान है।

ऐसे में मध्यम वर्ग के लिए टैक्स में कटौती और टैक्स ढांचे को आसान बनाकर खर्चों और सेविंग्स को बढ़ाने की कोशिश इस बजट में दिखाई दे सकती है। खासतौर से वेतनभोगी वर्ग को लाभान्वित करने के भी विशेष प्रावधान नए बजट में दिखाई दे सकते हैं। नई टैक्स रिजीम के तहत आयकर स्लैब में और बदलाव हो सकता है, ताकि अधिक से अधिक करदाता इसे अपनाने के लिए प्रेरित हो सकें। 30 प्रतिशत की दर को 20 लाख रुपये से अधिक की आय वालों पर लागू किया जाना अत्यधिक लाभप्रद होगा। नए बजट के तहत आयकर से संबंधित पुराने टैक्स रिजीम के अंतर्गत धारा 80सी के तहत छूट बढ़ाई जा सकती है। नए बजट 2025-26 में पुराने टैक्स रिजीम के तहत भी स्टैंडर्ड डिडक्शन की लिमिट बढ़ाई जा सकती है। अभी पुरानी व्यवस्था में नौकरीपेशा लोगों और पेंशनधारकों को 50,000 रुपये तक की छूट दी जाती है। नई टैक्स रिजीम के तहत 75,000 रुपये की कटौती का लाभ मिलता है।

वहीं दूसरी ओर अभी आयकर के कर दायरे में इजाफा किए जाने की बड़ी संभावनाएं हैं। बड़ी संख्या में उद्योग-कारोबार सेक्टर में कार्यरत रहते हुए कमाई करने वाले, महंगी आरामदायक व विलासिता की वस्तुओं का उपयोग करने वाले तथा पर्यटन के लिए विदेश यात्राएं करने वालों में से भी बड़ी संख्या में लोग या तो आयकर न देने का प्रयास करते हैं या फिर बहुत कम आयकर देते हैं। स्थिति यह है कि वर्ष 2023-24 में देश के 140 करोड़ से अधिक लोगों में से सिर्फ 8.09 करोड़ लोगों ने आयकर रिटर्न दाखिल किए। इनमें से भी 4.90 करोड़ लोगों ने शून्य कर योग्य आय की सूचना दी। सिर्फ 3.19 करोड़ लोगों ने ही आयकर दिया है। ऐसे में देश के सकल घरेलू उत्पाद में आयकर का योगदान बहुत कम बना हुआ है।

वित्तमंत्री आयकर सुधारों के तहत वर्ष 2025-26 के बजट सत्र में नया आयकर कानून पेश कर सकती हैं। इसका मकसद मौजूदा इनकम टैक्स एक्ट 1961 को आसान, स्पष्ट और समझने योग्य बनाना है। इसके तहत अनावश्यक और अप्रचलित प्रावधानों को हटाया जाएगा। कर विवादों को कम किया जाएगा। टैक्सपेयर्स के लिए अनुपालन को आसान बनाया जाएगा।

कभी मर नही सकते मोहनदास करमचंद गांधी !

दुनिया को अहिंसा का संदेश देने वाले उस मोहनदास कर्मचन्द गांधी को एक सिरफिरे नाथूराम गोडसे ने मार डाला था, जिससे भारत ही नही पूरी दुनिया प्रभावित थी और आज भी जिसका प्रभाव बरकरार है। एक ऐसा गांधी जिसने कभी अपने बारे में नही सोचा।एक ऐसा गांधी जिसने कभी अपने परिवार के बारे में नही सोचा, एक ऐसा गांधी जिसने कभी किसी पद या कुर्सी की चाहत नही की।जिसे पूरी दुनिया आज भी बापू के रूप में सम्मान दे रही है,उस महान शख्सियत की गोलियों से भून कर हत्या हो जाना ,यह प्रमाणित जरूर करता है कि उस समय भी और आज भी हिंसा ने अहिंसा को बर्दाश्त नही किया है।ये दो धारायें आज भी एक दूसरे से समय समय पर टकराती है तो गांधी याद आते है।

आने वाली पीढ़ियों को इस बात पर विश्वास करना मुश्किल होगा कि गांधी जैसा कोई व्यक्ति इस धरती पर चला करता था। अल्बर्ट आइंस्टीन के ये शब्द भावी पीढ़ी के मन मे गांधी की अहमियत का प्रमाण है।

डॉक्टर मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने भी कहा था कि अगर मानवता को आगे बढ़ाना है तो गांधी बहुत ही जरूरी हैं। दुनिया में शांति और सद्भाव के लिए ही वह जीते, सोचते और काम करते हैं। हम अपने जोखिम पर ही उन्हें नजरअंदाज कर सकते हैं।

गांधी जी एक ऐसे महान व्यक्ति थे, जिन्हें मानवता की समझ थी। उनकी जिंदगी ने मुझे बचपन से ही प्रेरित किया है। दलाई लामा के ये शब्द आज भी गांधी के प्रेरक व्यक्तित्व का दर्पण है। अमेरिकी पूर्व राष्ट्रपति बराकओबामा के शब्दों में, अपनी जिंदगी में प्रेरणा के लिए मैं हमेशा गांधी की तरफ देखता हूं क्योंकि वह बताते हैं कि खुद में बदलाव कर साधारण व्यक्ति भी असाधारण काम कर सकता है। वही रबिंद्रनाथ टैगोर का विचार रहा कि महात्मा गांधी लाखों बेसहारा लोगों के दरवाजे पर पहुंच जाते हैं, उनसे उन्हीं की भाषा में बात करते हैं। आखिर और कौन है, जो इतनी सहजता से इस बड़े वर्ग को अपना रहा है। प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की सोच रही कि इस देश में जो लौ महात्मा गांधी के रूप में रोशन हुई, वह साधारण नहीं थी। यह लौ आने वाले हजारों सालों तक भी राह दिखाती रहेगी। लॉर्ड माउंटबेटन कहते थे कि इतिहास में महात्मा गांधी को गौतम बुद्ध और ईसा मसीह के बराबर देखा जाएगा।वही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शब्दो में,दो अक्तूबर को पोरबंदर में एक व्यक्ति ने जन्म नहीं लिया था बल्कि एक युग की शुरुआत हुई थी। मुझे इस बात पर पूरा विश्वास है कि वह आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने अपने समय में थे। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी कहती है, महात्मा गांधी ने दुनिया को अहिंसा, सत्यता, राष्ट्रभक्ति की राह दिखाई, सचमुच वे एक महान आत्मा थे।आजादी के आंदोलन में महात्मा गांधी की गिनती नरम नेता के रूप में होती थी।लेकिन उक्त आन्दोलन के गरम दल के नेता भी उनका उतना ही सम्मान करते थे जितना नरम दल के लोग उनका आदर भाव करते थे।

गरम दल के नेता के रूप में चर्चित रहे नेताजी सुभाष चन्द्र बोश भी उन्हे अपना नेता मानते थे। यही गांधी जी की अहिंसा की सबसे बडी कामयाबी थी। बैरिस्टर सम्मानजनक व्यवसाय को छोडकर देश के लिए वे आजादी के आन्दोलन में कूद पडे थे। उनका एक ही नारा था कि जैसे भी हो हम हथियार नही उठायेगे और बिना हथियार ही भारत मां को आजादी दिलायेगें। इसके लिए उन्होने स्वयं भी अंग्रेजो की लाठिया खायी और उन्हे बहुत सी यातना भी सहन करनी पडी। लेकिन देश की खातिर उन्होने कभी पीछे मुड़कर कर नही देखा।

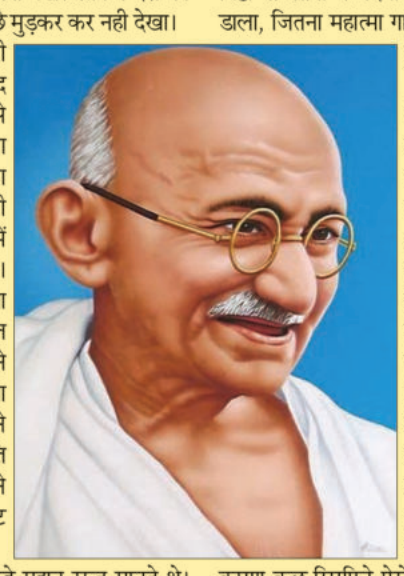

अहिंसा के पुजारी मोहन दास कर्मचन्द गांधी जिन्हे सम्मान से बापू या फिर महात्मा गांधी कहते है, का दुनियाभर में आज भी उनकी विचारधारा रूप में नाम है और हमेशा रहेगा। देदी हमें आजादी बिना खडग बिना ढाल साबरमती के सन्त तूने कर दिया कमाल पंक्तिया चरितार्थ कर दिखाने वाले बापू के प्रति दुनियाभर के लोगों ने भरपूर सम्मान प्रकट किया है।

करोडों देशवासी उन्हे महान सन्त मानते थे। लक्ष्य साधन में उनकी सच्चाई और निष्ठा पर उंगली नहीं उठाई जा सकती थी। महात्मा गांधी के जीवित रहने से सारा संसार सम्पन्न था और उनके निधन से दुनिया भर को लगा कि पूरा संसार ही विपन्न हो गया है। गांधी के परामर्श देश के लिए सदा सहायक सिद्ध हुए।जिनके बल पर देश को आजादी प्राप्त हुई।

महात्मा गांधी एक ऐसे योद्धा थे जिन्होंने बल प्रयोग का सदा विरोध किया। वे बुद्धिमान नम्र, द्रढसंकल्पी और निश्चय के धनी थे।सच तो यह है कि आधुनिक इतिहास में किसी भी एक व्यक्ति ने अपनी चरित्र की वैयक्तिक शक्ति, ध्येय की पावनता और अंगीकृत उद्देश्य के प्रति निस्वार्थ निष्ठा से लोगों के दिमागों पर इतना असर नहीं डाला, जितना महात्मा गांधी का असर दुनिया पर हुआ था।

देश और दुनिया के लिए महात्मा गांधी उन महान व्यक्तित्वों में से एक थें जो अपने विश्वास पर हिमालय की तरह अटल और द्रढ रहते थे ससांर का प्रत्येक व्यक्ति सोचता है कि गांधी जी एक उत्तम व्यक्ति थें तो उन्हे क्यों मार डाला गया यह सवाल अनेक लोगों ने उठाया लेकिन इसका जवाब है कि कुछ लोग नही चाहते कि देश दुनिया में भले लोगो का वजूद कायम रहे इसी कारण कुछ सिरफिरे ऐसे महानतम लोगो के भी दुश्मन बन जाते है। महात्मा गांधी की यह भी विषेशता थी कि वह चाहे कही भी रहे और चाहे जिस तरह के काम व्यस्त हो लेकिन हर रोज सुबह सबसे पहले प्रार्थना जरूर करते थे। अपने देश के लोगों में भी महात्मा गांधी शीर्ष स्तर पर छाये रहे। वास्तव में यदि कोई सार रूप में भारत का प्रतिनिधित्व करने में योग्य था तो वह सिर्फ और सिर्फ महात्मा गांधी थे। बहुत सी बातों में लोगों का गांधी जी से मतभेद हो सकता है और बहुत से लोग उनसे अधिक विद्वान हो सकते है परन्तु उनमें चरित्र व राष्ट्रभक्ति की जो महतता है उसके कारण वह सब लोगों के आदर्श बन गये थे। गांधी जी निसंदेह उस धातु के बने हुए है जिस धातु से शुरमा और बलिदानी लोगों का निर्माण होता हैं आत्मिक शक्ति के बल पर महात्मा गांधी विश्व भर में छाये रहे। लेकिन दुर्भाग्य है कि देश को आजाद कराने का प्रबल आधार स्तभ बने महात्मा गांधी के प्रति कृज्ञता अभिव्यक्त करने के बजाए कुछ लोग उनके हत्यारे को महिमा मंडित करने का निंदनीय प्रयास कर रहे है। ऐसे लोगो को देश कभी माफ नही करेगा।

गांधी के जीवन, धर्म, राजनीति, चिंतन में, स्वतंत्रता संघर्ष में या कह लें कहीं भी, उनका हर क्षण धर्म से प्रच्छन्न था। उसी से प्रेरित-निर्देशित था। उनके पास धर्मविहीन या धर्म से परे कुछ भी नहीं था। गांधी का यह धर्म, उनके व्यक्तिगत जीवन में असंदिग्ध रूप से हिंदू था और अन्य दूसरे धर्मों के प्रति पूरी तरह सहिष्णु और विनीत था। इस धर्म का ईश्वर, इसकी आध्यात्मिकता, आत्मा और नैतिकता उनकी अपनी गढ़ी हुई या चुनी गई परिभाषाओं से तय होती थी। उनकी व्यक्तिगत जीवन शैली और आचरण से परिभाषित होती थी।

गांधी के जीवन के संस्कार अस्तेय, सत्य, अपरिग्रह और ब्रह्मचर्य से बने थे। गांधी कमोबेश इन्हें अपने जीवन में, अपने कर्म और दर्शन में हमेशा उतारने की कोशिश करते रहे। गांधी ने जब सन 1920 में अपनी पहली बड़ी राजनैतिक लड़ाई शुरू की, तब तक वे देश के पारंपरिक और कट्टर हिंदुओं के लिए भी, राष्ट्रीयता, स्वतंत्रता संघर्ष और अंग्रेजों के शासन से मुक्ति की आकांक्षा के साथ-साथ, उनकी हिंदू आस्था के रक्षक और हिंदू धर्म के पुनरुद्धार का प्रतीक भी बन चुके थे। गांधी ने खुद भी, 12 अक्तूबर, सन1921 के यंग इंडिया में घोषणा की थीः मैं अपने को सनातनी हिंदू कहता हूं क्योंकि मैं वेदों, उपनिषदों, पुराणों और समस्त हिंदू शास्त्रों में विश्वास करता हूं और इसीलिए अवतारों और पुनर्जन्मों में भी मेरा विश्वास है। मैं वर्णाश्रम धर्म में विश्वास करता हूं। इसे मैं उन अर्थों में मानता हूं जो पूरी तरह वेद सम्मत हैं लेकिन उसके वर्तमान प्रचलित और भोंडे रूप को नहीं मानता।

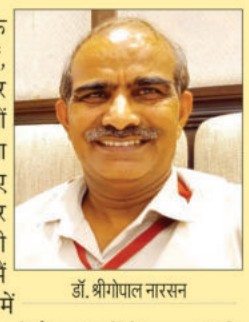

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

मैं प्रचलित अर्थों से कहीं अधिक व्यापक अर्थ में गाय की रक्षा में विश्वास करता हूं। मूर्तिपूजा में मेरा विश्वास नहीं है।बावजूद इस सबके, गांधी का यह हिंदू धर्म या उनका हिंदुत्व, देश के तत्कालीन प्रमुख हिंदू संगठनों, हिंदू महासभा और राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के हिंदुत्व से पूरी तरह अलग था।महात्मा गांधी की प्रार्थना सभाओं में कुरआन का पाठ होता था। बाइबल और गीता उनके लिए बराबर का महत्व रखती थीं। गांधी का भारत वह भारत था, जिसमें समस्त स्तरों पर समानता के साथ, देश के समस्त धर्मों, जीवन पद्धतियों, उपासना पद्धतियों, रीति-रिवाजों का समावेश हो।उसी की आवश्यकता आज भी है।लोग आज भी गांधी विचारधारा अपनाकर शांति,सदभाव, प्रेम,विश्वास और सौहार्द के साथ रहना चाहते है।गोड़से एक हत्यारा होने के कारण कभी जननायक नही कहलाया जबकि महात्मा गांधी अपनी हत्या हो जाने के बाद भी भी दुनिया की यादों में मरे नही है बल्कि आज भी अपनी राष्ट्रसेवा के कारण अमर है।

मददगार साबित होता दिल्ली- मुंबई एक्सप्रेस -वे

माही की गूंज, मंदसौर।

मध्यप्रदेश के कई जिलों गुजर रहे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर सफर की शुरुआत हो चुकी है। इसके बीच में कई रेस्ट हाउस, फूड कोर्ट और फ्यूल स्टेशन भी शुरु हो गई है। ये एक्सप्रेस-वे झाबुआ, मंदसौर और रतलाम जिलों से होकर गुजर रहा मध्य प्रदेश में स्टेट हाईवे 39 पर इंटरचेंज बनाया गया है। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का एमपी सेक्शन चालू है। एमपी के जिस सेक्शन पर ट्रैफिक चालू हो गया है, वहां पर टोल की वसूली भी शुरू हो चुकी है। एमपी में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पैकेज 16 से होता है। जो कि 25 किलोमीटर लंबा है। ये वाला पैकेज राजस्थान तक जाता है। इसमें इंटरचेंज और रेस्ट एंड सर्विस एरिया बनाया गया है। गरोठ के पास पैकेज 18 में इंटरचेंज बनाया जा रहा है। जिससे 130 किलोमीटर लंबी सड़क से जुड़ सकते हैं।

ऐसे ही राजस्थान के कई हिस्सों पर दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर सफर शुरु हो चुका है। निमथपुर इंटरचेंज से चेचट तक ट्रैफिक शुरू कर दिया गया है। ऐसे में अब कोटा के पास चेचट से झाबुआ के थांदला तक एक्सप्रेस-वे पर 269 किलोमीटर का रूट चालू कर दिया गया है।

झाबुआ से दिल्ली तक की पूरी यात्रा एक्सप्रेसवे पर नहीं की जा सकती। इसके लिए झाबुआ से दिल्ली की यात्रा के बीच यात्रियों को मोदक में एक्सप्रेसवे से बाहर निकलना होगा। फिर उज्जैन-कोटा टोंक लालसोट (पुराना मार्ग) का जाना होगा।

इन इलाकों से गुजरेगा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे गुजरात से मध्यप्रदेश के मेघनगर से लगी अनास नदी के पास प्रदेश में एंट्री करेगा। जो कि थांदला, सैलाना, खेजड़िया, शामगढ़, गरोठ होते हुए राजस्थान में प्रवेश करेगा। इस एक्सप्रेस-वे को प्रदेश की सड़कों से 8 इंटर सेक्शन के माध्यम से जोड़ा गया है।

तीन युवकों ने पुलिस पर लगाया रिश्वत वसूलने का आरोप

माही की गूंज, शाजापुर।
अजय राज केवट

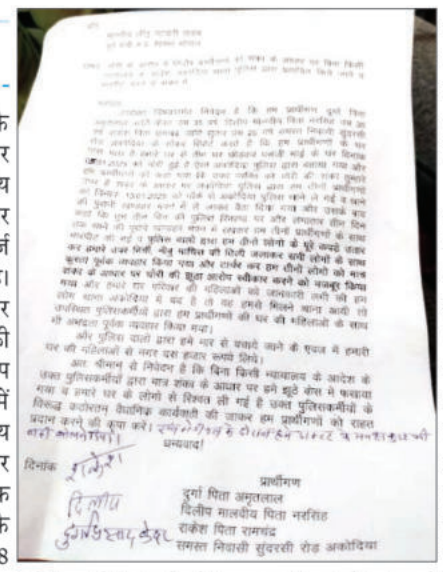

शाजापुर जिले के अकोदिया थाना पुलिस पर तीन युवकों ने अमानवीय व्यवहार करने और उन पर चोरी का झूठा मामला दर्ज करने का आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने पुलिस पर परिजनों से 10 हजार रुपए की रिश्वत भी वसूलने का आरोप लगाया है। इस मामले में शुक्रवार को एसपी कार्यालय में पीड़ितों ने ज्ञापन देकर अकोदिया पुलिस के खिलाफ शिकायत दर्ज की जिले के अकोदिया थाना क्षेत्र में 8 जनवरी को भाईलाल के यहां चोरी की वारदात हुई। इस मामले में पुलिस ने 13 जनवरी को उनके तीन पड़ोसी दुर्गा (35) वर्ष दिलीप (30) वर्ष और राकेश (25) वर्ष को हिरासत में लिया और पुराने थाने पर ले जाकर मारपीट कर पूछताछ की। तीनों ने चोरी करने से इनकार किया तो पुलिस ने तीन दिनों तक लगातार अमानवीय तरीके से मारपीट कर चोरी का झूठा मामला दर्ज किया।

पीड़ितों ने बताया तीनों को नग्न कर, उल्टा लटकाकर बेल्ट से पीटा। इतना ही नहीं, उन्हें मिर्च-नींबू लगाया गया और माचिस की तीली से जलाया भी गया। पुलिस ने जबरन उनसे चोरी का झूठा जुर्म कबूल कराने का प्रयास किया।

जब पीड़ितों के परिजन थाने पहुंचे, तो पुलिसकर्मियों ने उनके साथ भी अभद्र व्यवहार किया और युवकों को छोड़ने के एवज में परिवार से 10 हजार रुपए की रिश्वत वसूली। तीनों युवकों को न्यायालय में पेश कर जमानत पर रिहा कर दिया गया। तीनों आरोपी जेल से छूटने के बाद शुक्रवार को परिजनों के साथ जिला मुख्यालय पर एसपी कार्यालय पहुंचे और इस मामले की शिकायत की।

इस मामले में शाजापुर एडिशनल एसपी टीएस बघेल का कहना है कि, शिकायती आवेदन मिला है, जिसकी जांच करवाई जाएगी। उसके बाद जो भी दोषी होगा उसके ऊपर कार्रवाई की जाएगी।

1 क्विंटल 40 किलो गांजा के साथ एक आरोपी गिरफ्तार

माही की गूंज, मंदसौर।

पुलिस अधीक्षक अभिषेक आनन्द जिला मन्दसौर द्वारा अवेध मादक पदार्थ की तस्करी करने वालो एवं समस्त अपराधिक तत्वो के विरुद्ध कठोर कार्यवाही हेतु जिले के समस्त पुलिस अधिकारियो को निर्देशित किया गया है। जिनके निर्देश एवं गोतम सौंलकी अति पुलिस अधीक्षक मंदसीर एवं श्रीमति कीर्ति बघेल एसडीओपी मंदसौर ग्रामीण के मार्गदर्शन मे एंव थाना प्रभारी भावगढ निरीक्षक राजेन्द्र सिह बघेल के कुशल नेतृत्व मे उनकी टीम के द्वारा थाना भावगढ क्षेत्रान्तर्गत एक आरोपी के कब्जे से एक क्विंटल 40 किलोग्राम अवेध मादक पदार्थ गांजा के जप्त कर आरोपी को हिरासत में लिया गया।

28 जनवरी को मुखबिर सूचना मिली कि, धंधौडा बेहपुर रोड दशरथ प्रजापति के खेत मे उसके द्वारा गान्जे के पौधे लगाकर खेती कर रहा है। जो सुचना पर हमराही फोर्स की दशरथ प्रजापति के खेत पर पहुच कर लहसुन व चीया की फसल मे बो रखे अवैध मादक पदार्थ गांजा के 670 गिले छोटे बडे पोधे जिसका वजन 1 क्विटल 40 किलो ग्राम किमती 9 लाख 80 हजार रुपये को जप्त कर आरोपी दशरथ पिता रामलाल प्रजापति उम्र 32 वर्ष निवासी बेहपुर थाना भावगढ को गिरफ्तार किया गया वापसी पर अपराध क्र. 09/25 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। इस दौरान पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ गांजा के पोधे के 670 नग गिले छोटे बडे पोधे जिसका वजन 1 क्विटल 40 किलो ग्राम किमती 9 लाख 80 हजार रुपये जप्त किया।

उक्त कार्य में निरीक्षक राजेन्द्रसिह बघेल थाना प्रभारी थाना भावगढ, सउनि सुरेश कुमार निनामा, सउनि कल्याणसिह चारेल, आर 354 धर्मेन्द्रसिह, आर 887 कमलेश सुर्यवंशी, आर 919 हेमन्त चौहान, आर 355 करणसिह का योगदान रहा।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस अध्यक्ष का किया पुतला दहन

माही की गूंज, मंदसौर।

महू में आयोजित रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा- ''क्या गंगा में डुबकी लगाने से गरीबी दूर होती है? क्या इससे खाना मिलता है?'' उन्होंने यह भी कहा कि वह किसी की धार्मिक आस्था का अपमान नहीं करना चाहते और अगर किसी को दुख हुआ हो, तो माफी मांगते हैं।

खड़गे ने आगे कहा- 'जब बच्चा भूखा मर रहा है, स्कूल नहीं जा रहा, मजदूर को मजदूरी नहीं मिल रही, तब कुछ लोग हजारों रुपए खर्च कर के प्रतियोगिताओं में डुबकी लगाते हैं। जब तक टीवी पर अच्छा दृश्य नहीं आता, तब तक ये लोग डुबकी मारते रहते हैं। ऐसे लोगों से देश की भलाई नहीं हो सकती।' यह बयान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के महाकुंभ पर दिए।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के महाकुंभ पर दिए बयान का विरोध प्रदेश में कई जगह देखने को मिला। गरोठ, भानपुरा और शामगढ़ में भाजपा कार्यकर्ताओं ने मंगलवार शाम को प्रदर्शन करते हुए खड़गे का पुतला दहन किया।

भानपुरा में विधायक चंदरसिंह सिसोदिया के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने विजय स्तंभ पर प्रदर्शन किया, जिसमें आदित्य मंगरोलिया और अभिषेक मांदलिया सहित कई पदाधिकारी शामिल हुए। गरोठ में कमलेश गुर्जर के नेतृत्व में पुराना बस स्टैंड स्थित विजय स्तंभ पर शाम 5:30 बजे कार्यकर्ताओं ने एकत्रित होकर जोरदार नारेबाजी की।

शामगढ़ के झंडा चौक पर भी भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि खड़गे ने महाकुंभ मेले को लेकर दिया बयान अस्वीकार्य है। कार्यक्रम में युवा मोर्चा के जीतू प्रजापति, मंडल अध्यक्ष नीलकमल मेहता, नगर परिषद अध्यक्ष कविता यादव समेत कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

धोखाधड़ी मामले में एमपी में बड़ी कार्रवाई

माही की गूंज, शाजापुर।

अकोदिया थाना पुलिस ने एसबीआई बैंक शाखा मोहम्मद खेड़ा में बैंक शाखा मैनेजर और कर्मचारी द्वारा लाखों रुपए की धोखाधड़ी के मामले में दोनों आरोपी की 70 लाख रुपये की संपत्ति जब्त की है। जब्त एवं फ्रीज संपत्ति का निराकरण न्यायालय के निर्णय अनुसार किया जाएगा। उल्लेखनीय है कि, आरोपियों ने क्षेत्र के किसानों से केसीसी (किसान क्रेडिट कार्ड) के रुपये लेकर बैंक खातों में जमा नहीं किए और फर्जी एनओसी जारी कर दी थी।

फर्जीवाड़े की रकम से खरीदी कारए बाइक और सोना

पीड़ित किसानों की शिकायत पर पुलिस ने एसबीआई बैंक शाखा मोहम्मद खेड़ा के बैंक मैनेजर आशीष आर्य व कर्मचारी राहुल बैरागी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया था। एसपी यशपाल सिंह राजपूत निर्देश पर प्रकरण की विवेचना के दौरान आरोपी बैंक मैनेजर आशीष आर्य के विभिन्न बैंक खातों में जमा 27 लाख रुपयों को फ्रीज कराया गया। आरोपी राहुल बैरागी द्वारा ठगी के रुपयों से खरीदी गई कार की कीमत 10 लाख रुपये, मोटरसाइकिल कीमत 70 हजार रुपए, बैंक में जमा 11 तोला सोना कीमती सात लाख 70 हजार रुपए को फ्रीज कराया गया। अभियुक्त राहुल बैरागी के मकान कीमत 25 लाख रुपए के क्रय.विक्रय पर रोक लगाई जाकर प्रकरण में अटैच की कार्रवाई की जा रही है। दोनों आरोपित ने कई किसानों को शिकार बनाया।

परामर्शदाताओं के दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण सम्पन्न

माही की गूंज, शाजापुर।

मप्र जन अभियान परिषद् शाजापुर द्वारा आज जिला पंचायत सभाकक्ष में मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास कार्यक्रम अंतर्गत संचालित बीएसडब्ल्यू एवं एमएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम के परामर्शदाताओं का दो दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ।

कार्यक्रम में सर्वप्रथम जिला समन्वयक विष्णुप्रसाद नागर द्वारा प्रशिक्षण कार्यक्रम की द्वितीय दिवस की रूपरेखा प्रस्तुत की एवं फील्ड वर्क मैन्युअल के निर्धारित प्रपत्रों के आधार पर तथ्यों का संकलन (प्रायोगिक कार्य एवं पीआरए पद्धति), प्रतिवेदन लेखन (फील्डवर्क, टेली और समाचार) आदि पर प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

मेडिकल व्यवसायी पराग जैन ने योग के महत्त्व को समझाया एवं बताया कि योग एक सम्पूर्ण जीवनशैली है। योग करना कुछ नहीं होता, बल्कि योगाभ्यास करना होता है। यौगिक जीवनशैली को आप अपने जीवन में जितना उतारेंगे, आपका जीवन उतना ही शांत और सुखी होता जाएगा। साथ ही योग के आठ अंगों के बारे में बताया, जिसमे यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि आदि है एवं समस्त अंगो पर एक-एक करके विस्तार पूर्वक समझाया गया। बीकेएसएन कॉलेज शाजापुर विष्णु प्रसाद मीणा द्वारा लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, प्रावधान और अनुप्रयोग पर प्रशिक्षण प्रदान किया एवं लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम, प्रावधान और अनुप्रयोग के एक-एक पहलू पर परामर्शदाताओं से चर्चा कर समाधान किया। प्रो. अमित गोयल उज्जैन (विषय विशेषज्ञ) द्वारा संपर्क कक्षा संचालन की पद्धति (व्याख्यान, विचार विमर्श, ब्रेन स्टॉर्मिंग, रोल-प्ले इत्यादि) संपर्क कक्षाओं को प्रभावी कैसे बनायें आदि पर प्रकाश डालते हुए प्रशिक्षण प्रदान किया एवं समस्त परामर्शदाताओं से संपर्क कक्षा संचालन में आ रही समस्याओं एवं अपने सुझाव को प्रस्तुत करते हुए मार्गदर्शन प्रदान किया गया। साथ ही कई कहानियां एवं उदाहरण के माध्यम से परामर्शदाताओ को प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंत में समस्त परामर्शदाताओं का प्रश्न पत्र के माध्यम से टेस्ट लिया गया एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित समस्त परामर्शदाताओं को दिनेश कुमार कलमोदिया सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा प्रमाण पत्र वितरण किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन धनसिंह धनगर द्वारा किया गया एवं आभार प्रदर्शन श्रीमती सीमा बैंडवाल द्वारा माना गया। इस अवसर पर बीकेएसएन कॉलेज शाजापुर (विषय विशेषज्ञ) विष्णु प्रसाद मीणा, उज्जैन (विषय विशेषज्ञ) प्रो. अमित गोयल, बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष नवीन वर्मा, सामाजिक कार्यकर्ता दिनेश कुमार कलमोदिया, मेडिकल व्यवसायी पराग जैन, विष्णु प्रसाद नागर भी उपस्थित थे।

शादी के बरातियों का सड़क पर हंगामा, पुलिस ने की कार्रवाई

माही की गूंज, रतलाम।

शहर के सराय चौराहे से हाट की चौकी तक मंगलवार शाम उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब पांच कारों में सवार युवकों ने सड़क पर जमकर हुड़दंग किया। इनकी बेखौफ करतूत से ट्रैफिक जाम हो गया और वहां से गुजर रहे राहगीरों और दुकानदारों में दहशत फैल गई।

कारों के सनरूफ और खिड़कियों से बाहर निकलकर ये युवक शोर-शराबा करते रहे, जिसकी वीडियो रिकॉर्डिंग भी मौके पर मौजूद लोगों ने कर ली और वह जल्द ही वायरल हो गई।

करीब आधे घंटे तक ये हुड़दंग चलता रहा, जिससे पूरे क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गई। मामला सामने आते ही एसपी अमित कुमार ने सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया को मौके पर कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके बाद सीएसपी व हाट की चौकी प्रभारी अनुराग यादव के नेतृत्व में पुलिस टीम कुरैशी मंडी पहुंची, जहां से हुड़दंग मचाने वाली पांचों कारों को जब्त कर हाट की चौकी ले जाया गया।

जांच में सामने आया कि ये सभी कारें कुरैशी मंडी निवासी एक परिवार की शादी में शामिल होने आई थीं और इन्हें इंदौर के बाराती किराए पर लेकर आए थे। इस मामले में ट्रैफिक पुलिस को भी चालानी कार्रवाई के निर्देश दिए गए, लेकिन रात 11:30 बजे तक चालान की प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी।

पुलिस ने स्पष्ट किया कि हुड़दंग मचाने वाले युवकों और कार मालिकों पर कड़ी कार्रवाई होगी ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाएं दोबारा न हों। सीएसपी सत्येंद्र घनघोरिया ने बताया कि कार मालिकों और चालकों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी, जिससे आगे के लिए यह एक कड़ा संदेश बन सके।

शादी-ब्याह के नाम पर सड़कों पर इस तरह का हंगामा करना न केवल आम जनता के लिए परेशानी का सबब बनता है, बल्कि कानून-व्यवस्था को भी चुनौती देता है। अब देखना यह होगा कि पुलिस इस मामले में कितना सख्त कदम उठाती है और क्या वाकई

न्यूज ब्रीफ

कन्या आश्रम की अधीक्षिका पर निलंबन की कार्यवाही

माही की गूंज, खरगोन।

सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग के प्रशांत कुमार आर्य ने छात्राओं को अन्य धर्म की शिक्षा के लिए प्रेरित करने और आश्रम की साफ-सफाई का कार्य छात्राओं से कराए जाने के मामले में विकासखंड भीकनगांव के अंतर्गत शासकीय कन्या आश्रम छिर्वा की अधीक्षिका रीता खरते को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय भीकनगांव निर्धारित किया गया है। कन्या आश्रम की अधीक्षिका के खिलाफ शिकायत मिली थी कि, उन्होंने आश्रम की छात्राओं को अन्य धर्म की शिक्षा देने के लिए प्रेरित किया और छात्राओं से आश्रम की साफ-सफाई का कार्य कराया। इस शिकायत की जांच के दौरान छात्राओं और पालकों के कथन लिए गए थे, जिसमें शिकायत को सही पाया गया। इसके बाद, अधीक्षिका के खिलाफ निलंबन की कार्यवाही की गई है।

चेक बाउंस होने पर 1 वर्ष का सश्रम कारावास और प्रतिकर का आदेश

माही की गूंज, बड़वानी।

न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी न्यायालय बड़वानी द्वारा 28 जनवरी को पारित अपने निर्णय में पुरुषोत्तम पिता कृष्णलाल वाघे, निवासी बड़वानी को एक वर्ष का सश्रम कारावास और 7 लाख 45 हजार रुपये प्रतिकर अदा करने का आदेश दिया गया।

मामला में आरोपी पुरुषोत्तम ने 10 अगस्त 2022 को परिवादी राजेश अग्रवाल से निजी आवश्यकता के लिए 6 लाख रुपये उधार मांगे थे, जिसे राजेश अग्रवाल ने विश्वास करते हुए दे दिया। समय सीमा समाप्त होने पर जब राजेश अग्रवाल ने राशि की मांग की, तो आरोपी ने 8 दिसंबर 2022 को एक चेक दिया। चेक को बैंक में प्रस्तुत करने पर वह बाउंस हो गया। इसके बाद राजेश अग्रवाल ने न्यायालय में परिवाद प्रस्तुत किया। न्यायालय ने आरोपी को 7 लाख 45 हजार रुपये प्रतिकर अदा करने और एक वर्ष का सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही, यदि प्रतिकर राशि अदा नहीं की जाती, तो आरोपी को 3 माह का अतिरिक्त सश्रम कारावास भुगतने का आदेश दिया गया। इस मामले में पैरवी अधिवक्ता नरेंद्र राठौड और एस.एल. यादव ने की।

सीएमएचओ ने देखी स्वास्थ्य व्यवस्थाएं

माही की गूंज, खंडवा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अपी जुगतावत ने बुधवार को विकासखंड पुनासा के सिविल अस्पताल ओंकारेश्वर, उपस्वास्थ्य केन्द्र मोरटक्का और थापना का निरीक्षण किया और स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने ओंकारेश्वर में उपस्थित चिकित्सक और स्टाफ को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। साथ ही, टी.बी. मुक्त भारत अभियान के तहत चलाए जा रहे 100 दिवसीय निक्षय शिविर अभियान में जागरूकता गतिविधियाँ संचालित करने के लिए कहा और निक्षय मित्रों का सहयोग लेने का आग्रह किया।

डॉ. जुगतावत ने मोरटक्का और थापना में सी.एच.ओ., एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं को सभी राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में शत-प्रतिशत उपलब्धि हासिल करने के निर्देश दिए।

गणतंत्र दिवस पर उड़ी स्वच्छता अभियान की धज्जियां

माही की गूंज, खवासा/भामल।

देश में स्वच्छता अभियान आमजन के लिए भी एक आवाज बन चुकी है वहीं प्राथमिक स्कूल से लेकर महाविद्यालय तक में पहले हमारे घर,मोहल्ला, गांव व शहर को द्यद्वस्वच्छ रखने के लिए कई आयोजन जागरूकता हेतु समय-समय पर होने जाने लगे हैं वहीं राष्ट्रीय आयोजनों में भी स्कूलों की ओर से विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक आयोजन के दौरान एवं नाटकी मंच के माध्यम से स्वच्छता अभियान की प्रस्तुति दी जाती है। जिससे आम लोग तो जागरूक हुए हैं लेकिन शिक्षा देने वाली शिक्षक व शिक्षालय में आज भी स्वच्छता अभियान की धज्जियां उड़ाई जा रही है जिसका एक उदाहरण राष्ट्रीय पर्व पर गणतंत्र दिवस के दौरान भी सामने आया है।

खवासा क्षेत्र की भामल स्कूल के अंतर्गत शासकीय प्राथमिक व मिडिल स्कूल जो की, एक ही शाला में संचालित होती है गणतंत्र दिवस पर रविवार होने के बावजूद राष्ट्रीय पर्व पर उत्साह के साथ बच्चे सुबह की पहली किरण के साथ स्कूल पहुंचे, झंडा वंदन में शरीक होने के साथ गांव में प्रभात फेरी निकाली तत्पश्चात स्कूल में रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां भी दी। अतिथियों ने बच्चों को पारोतोषित देकर सम्मानित भी किया गया। तत्पश्चात शासन की योजनानुसार मध्याहन भोजन में विशेष भोज बच्चों को दिया गया। जब तब तो सब सही था लेकिन उक्त 7 सकुल में मध्यान भोजन देने वाला अंबे माता बचत समूह है समूह द्वारा बच्चों को थालियां में भोजन नहीं दिया जाता है यह भी सामने आया तथा गणतंत्र दिवस के दौरान दिए गए मध्यान भोजन के विशेष भोज पतल व दुने में बच्चों को खिलाया गया।

सामान्य से बात है पत्तल-दुने को भोजन के पश्चात एक डस्टबिन में समेटा जाता है और उसे गांव में आने वाली कचरा गाड़ी में डाल दिया जाता है या ज्यादा होने पर जहां गांव का कूड़ा फैला जाता है वहां पर जाकर झूटे पतल - दुने फेके जाते हैं।

यह व्यवस्था स्वच्छता अभियान के तहत भी चलाई जाती है लेकिन स्कूली शिक्षक के सामने ही बच्चों को विशेष भोज देने के बाद झूटे पतल-दुने को समूह संचालक के द्वारा किचन सेट के पास ही फिंकवा दिया और स्वच्छता अभियान की धजिया उडाते हुए उन बच्चों को भी शिक्षकों की उपस्थिति में समूह द्वारा स्वच्छता अभियान को पलीता लगाने की शिक्षा बच्चों को दी गई। जो हमारी स्वच्छता अभियान योजना की धज्जिया उड़ाती है साथ ही बच्चों में राष्ट्रीय पर्व के दौरान बच्चों को गलत ज्ञान देना भी किसी बड़े अपराध से कम नहीं आका जा सकता है।

अशोक सागर महाराज के सानिध्य में दीक्षा लेंगी राठौड़ समाज की दो बहनें

माही की गूंज, रतलाम।

जिले के सैलाना नगर के राठौड़ (तेली) परिवार की दो बहनें शीतल और सपना राठौड़ की जैन धर्म से ऐसी आस्था जुड़ी की दोनों बहनों ने संयम के मार्ग पर चलने का दृढ़ निश्चय कर लिया। उनके इस दृढ़ निश्चय को देखते हुए उनके परिवार को भी दीक्षा लेने की सहमति प्रदान करना पड़ी।

दोनों बहनों की जैन भगवती दीक्षा 19 अप्रैल को शंखेश्वर पुरम (पालीताणा तीर्थ) में आचार्य अशोक सागर जी महाराज साहब की सानिध्य में होगी।

रतलाम जिले के सैलाना नगर निवासी जुगल किशोर राठौड़ का परिवार शुरू से ही जैन धर्म के प्रति आस्था रखता आया है। जुगलकिशोर राठौड़ की दोनों बेटियों शीतल राठौड़ और सपना राठौड़ दोनों ने जैन धर्म को समझने के बाद परिजनों से दीक्षा लेने की इच्छा व्यक्त की। पहले तो परिजनों ने मना किया, लेकिन दोनों बहनों के दृढ़ निश्चय के कारण परिजनों को दीक्षा के लिए सहमति प्रदान करना पड़ी। दोनों बहने संयम मार्ग पर चलेंगी। दीक्षार्थी शीतल और सपना राठौर के भाई संजय राठौड़भी जैन धर्म को बहुत मानते हैं। उनके बाद से ही परिवार के लोगों ने जैन धर्म में जाना शुरू किया और जैन धर्म से जुड़ते गए।

दोनों बहनें लंबे समय से जैन धर्म का पालन करते हुए कई साधु-साध्वी भगवंतों की सेवा में रहकर जैन धर्म के मर्म को समझा। मूर्तिपूजक श्रीसंघ के अध्यक्ष सुरेंद्र मेहता ने दोनों बहनों के इस निर्णय का स्वागत किया है। संघ के वरिष्ठ भूरामल तांतेड़ ने बताया कि जैन धर्म की दीक्षा दोनों बहनें ले रही हैं यह बड़े पुण्य के बाद होता है। उनका कहना है कि यह श्रीसंघ के लिए बड़े गौरव की बात है कि इतिहास में यह पहला अवसर है जब दो सगी बहनें आगामी 19 अप्रैल को गुजरात के शंखेश्वर तीर्थ में आचार्य अशोक सागर जी महाराज के सानिध्य में एक साथ दीक्षा लेंगी।

चलित मोबाइल कोर्ट: विधायक और अन्य अधिकारियों पर जुर्माना

माही की गूंज, बड़वानी।

शहर के रेवा सर्कल पर जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीशों द्वारा चलित मोबाइल कोर्ट लगाया गया। इस दौरान न्यायिक मजिस्ट्रेट सीता कन्नौजे के नेतृत्व में न्यायाधीशों और पुलिस अधिकारियों ने दो पहिया और चार पहिया वाहनों के दस्तावेजों की जांच की।

जांच के दौरान बड़वानी विधायक राजेन्द्र मण्डलोई के वाहन के दस्तावेज न होने पर जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा, जिला कार्यक्रम अधिकारी के वाहन पर लगे हुटर और नेमप्लेट को हटवाया गया जुर्माना भी लगाया गया।

इस दौरान, तहसीलदार, नायब तहसीलदार, विद्युत विभाग, लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों और जिला चिकित्सा अधिकारी की गाड़ियों के दस्तावेज भी उपलब्ध नहीं थे, जिस पर जुर्माना लगाया गया। इसके अलावा, दो पहिया वाहनों में 3-3 सवारी बैठाकर यात्रा करने वालों और यात्री बसों, स्कूल बसों के दस्तावेजों का अभाव पाया गया, जिन पर जुर्माना लगाया गया। कुल मिलाकर 39 चालान काटे गए और 27,000 रुपये का जुर्माना वसूला गया।

विद्यार्थियों ने बनाए लोकमाता अहिल्या बाई होल्कर के चित्र

माही की गूंज, बड़वानी।

राजमाता देवी अहिल्या बाई होल्कर के जीवन की गाथा एक प्रेरणा है। महिला सशक्तीकरण की मिसाल और प्रशासनिक कुशलता की अद्भुत उदाहरण होने के कारण, उनके योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनका इतिहास पढ़ने और उनके गुणों को आत्मसात करने की बात प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शहीद भीमा नायक शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बड़वानी की प्राचार्य डॉ. वीणा सत्य ने चालीस विद्यार्थियों द्वारा बनाए गए अहिल्या बाई होल्कर के चित्रों का अवलोकन करते हुए कही।

कार्यक्रम में वर्षा मुजाल्दे और संजू डूडवे ने बताया कि व्यक्तित्व विकास के प्रशिक्षु विद्यार्थियों ने देवी अहिल्या बाई होल्कर की तीन सौवीं जयंती के अवसर पर उनके चित्र, कोलाज और पोस्टर बनाए। इस आयोजन में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर रहने वाले विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र और पुरस्कार देने की घोषणा की गई।

कार्यक्रम में शासकीय आदर्श महाविद्यालय, बड़वानी के प्राचार्य डॉ. बलराम बघेल, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. डी. के. वर्मा, डॉ. अभिलाषा साठे, डॉ. दिनेश परमार, आर्टिस्ट धीरज सगोरे सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने विद्यार्थियों की कलाकृतियों का अवलोकन किया और उनके प्रयासों की सराहना की।

विद्यार्थियों ने बताया कि देवी अहिल्या बाई होल्कर का चित्र बनाते वक्त उन्होंने उनका इतिहास पढ़ा और उनके व्यक्तित्व से प्रेरणा ली। उनका मानना है कि प्रतिकूल परिस्थितियों में भी अच्छे कार्य किए जा सकते हैं।

इस आयोजन का उद्देश्य युवाओं को भारत के गौरवमयी इतिहास से जोड़ना और देवी अहिल्या बाई होल्कर के व्यक्तित्व को जानकर उनके पदचिह्नों पर चलने के लिए प्रेरित करना था। साथ ही, उन्हें कला में निपुण बनने का अवसर देकर व्यावसायिक संभावनाओं का लाभ लेने के लिए तैयार करना था।

आज स्वतंत्रता संग्राम के शहीदों को दी जाएगी श्रद्धांजलि

माही की गूंज, खंडवा।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने जीवन का बलिदान करने वाले शहीदों की स्मृति में हर वर्ष 30 जनवरी को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर शहीदों की स्मृति में सभी नागरिक मौन धारण कर भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अपने जीवन का बलिदान करने वाले शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे।

सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा जारी निर्देश के अनुसार, प्रातः सायरन बजाकर मौन धारण करने के लिए सूचना दी जाएगी, और पुनः ऑल क्लियर सायरन बजाया जाएगा। नागरिकों से अनुरोध किया गया है कि सायरन की आवाज सुनकर सभी व्यक्ति जहां हों, वहीं खड़े होकर शहीदों को श्रद्धांजलि देने के लिए मौन धारण करें।

कलेक्टर अनूप कुमार सिंह ने जिले के सभी कार्यालय प्रमुखों को निर्देश दिए हैं कि जिन स्थानों पर सिग्नल की व्यवस्था नहीं है, वहां प्रातः 11 बजे दो मिनट का मौन रखने के लिए सभी संबंधितों को उपयुक्त निर्देश दिए जाएंगे। कलेक्टर ने कार्यालयों के कर्मचारियों से शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के लिए मौन धारण करने की व्यवस्था करने का निर्देश दिया है।

पूर्व सैनिक को दी गई श्रद्धांजलि

माही की गूंज, खरगोन।

पूर्व सैनिक और आरक्षक के पद पर कार्यरत भदरिया अलावे का बीते दिनों हृदयाघात से निधन हो गया। स्व. अलावे के तीसरे दिन, 29 जनवरी को उनके गृहग्राम ठीकरी पहुंचकर कैप्टन सुरेश सिंह चौहान (से.नि.) जिला संयोजक और बड़वानी जिले के पूर्व सैनिक बलिराम, विजय चौहान, खोड़े जी, दिनेश खन्ना, जालिम जी ने उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की और उनके परिवार को सांत्वना दी।

और लो महाकुम्भ ने आखिर बलियां ले ही ली

दुनिया में सनातन का झंडा ऊंचा करने वाले प्रयागराज के महाकुम्भ ने आखिर अपने कामयाबी की नयी इबारत लिखते हुए दर्जनों सनातनियों की बलि ले ही ली। संयोग ये है कि ये बलि किसी आजम खान के होते हुए नहीं हुई। इनके लिए सीधे-सीधे तौर पर उत्तरप्रदेश के उत्तरदायी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जिम्मेदार हैं ,लेकिन वे ये जिम्मेदारी लेते हुए अपने पद से इस्तीफा देंगे नहीं और न उनसे इस्तीफा माँगा जाना चाहिए।आज प्रयागराज में कोई 10 करोड़ लोग जमा हैं।

महाकुम्भ 144 साल बाद का दुर्लभ योग बताया गया था। उत्तरप्रदेश और देश की सरकार ने इस महाकुम्भ की धार्मिकता को ताक पर रखकर इसे एक मेगा इंवेंट में तब्दील कर दिया है। आम आदमी के लिए इस महाकुम्भ में कुछ भी नहीं है, सिवाय धक्के खाने के और भगदड़ में जान गंवाने के। ये महाकुम्भ विदेशी और देशी धनकुबेरों के लिए है। ये महाकुम्भ सत्ता प्रतिष्ठान के जलाभिषेक के लिए है । ये कुम्भ अब पतित पानी गंगा की गोद नहीं बल्कि एक हरम बनकर रह गया है। यहां भी वीआईपी संस्कृति का झंडा फहरा रहा है। इस कुम्भ पर खर्च किये गए 10 हजार करोड़ रूपये भी निर्दोषों को मरने से नहीं बचा पाए।

ये देश विज्ञान, ज्ञान, अनुसन्धान और मानवाधिकारों की रक्षा के क्षेत्र में विश्वगुरु नहीं बनना चाहता। ये देश धर्म के क्षेत्र में विश्वगुरु बनना चाहता है लेकिन बन नहीं पा रहा। यहां धर्म की ध्वजाएं फहराने वाले पक्के सनातनी, असंख्य नागाओं के गुरु सत्ता के स्तुतिगान में लगे हैं। उनके पास बदइन्तजामों पर ऊँगली उठाने की फुर्सत ही नहीं है और नतीजा आपके सामने है। अभी तो महाकुम्भ में मौनी अमावस्या पर हुई भगदड़ में मरने वालों की संख्या बहुत कम (17) बताई गयी है लेकिन ये कहाँ तक जाएगी ये कोई नहीं जानता।

देश में धार्मिक उन्माद पैदा करने के लिए भाजपा की सरकारें एड़ी-चोटी का जोर लगा रहीं हैं ताकि देश को जल्द से जल्द हिन्दू राष्ट्र में तब्दील किया जा सके। इसी उन्माद के चलते मौनी अमावस्या पर प्रयागराज में गंगा जल निर्दोष सनातनियों के खून से रक्ताभ हो गयी। आपको बता दें कि सनातन धर्म में मौनी अमावस्या का अत्यधिक महत्व है। माघ माह में पड़ने वाली मौनी अमावस्या आत्मसंयम, मौन साधना और पवित्र स्नान के लिए समर्पित होती है। इस बार मौनी अमावस्या प्रयागराज में महाकुंभ के दौरान इसी दिन तीसरा शाही स्नान होन था लेकिन हो गयी भगदड़। मेले में मची भगदड़ के बाद निरंजनी अखाड़े ने स्नान जुलूस रोक दिया है। फिलहाल अखाड़ों ने अमृत स्नान स्थगित कर दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी हादसे की जानकारी ली है।

महाकुम्भ में पुण्य स्नान करने वालों के आंकड़े दिनोदिन बढ़ते ही जा रहे है। उत्तरप्रदेश सरकार इन आंकड़ों को दिखाकर गौरवान्वित अनुभव कर रही थी। मीडिया और भाजपा इस भव्य-दिव्य आयोजन के लिए योगी-मोदी की बलैयां ले रहा था ,लेकिन अब सब मौन हैं। मौनी अमावस्या पर मंगलवार और बुधवार की दरम्यानी रात हुई भगदड़ ने यहां के महा प्रबंध की पोल खोलकर रख दी है ,लेकिन मजाल कि कोई अखाड़ा या अखाड़ा परिषद उत्तरप्रदेश सरकार या मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ एक शब्द बोले ! सब मौनी बाबा बन गए हैं। अब यदि कोई बोलेगा तो उसे सनातन विरोधी करार दे दिया जाएगा।

देश में भगड़ की घटनाओं का लंबा इतिहास है ,इन हादसों के लिए सरकारी मशीनरी और आम जनता ही जिम्मेदार होती है। उत्तर प्रदेश तो भगदड़ के लिए अब कुख्यात हो चला है। आपको याद होगा कि पिछले साल ही उत्तर प्रदेश के हाथरस में आयोजित सत्संग के दौरान मची भगदड़ में करीब 120 लोगों की मौत हो गई थी। । महाराष्ट्र के मंधारदेवी मंदिर में 2005 के दौरान हुई भगदड़ में 340 श्रद्धालुओं की मौत और 2008 में राजस्थान के चामुंडा देवी मंदिर हुई भगदड़ में कम से कम 250 लोगों की मौत ऐसी ही कुछ बड़ी घटनाएं हैं। हिमाचल प्रदेश के नैना देवी मंदिर में भी 2008 में ही धार्मिक आयोजन के दौरान मची भगदड़ में 162 लोगों की जान चली गई थी। दो साल पहले 31 मार्च 2023 को इंदौर शहर के एक मंदिर में रामनवमी के अवसर पर आयोजित हवन कार्यक्रम के दौरान एक प्राचीन बावड़ी के ऊपर बनी स्लैब ढह जाने से कम से कम 36 लोगों की मौत हो गईथी। लेकिन हम और हमारा देश इन हादसों से कभी कोई सबक नहीं लेता।

महाकुम्भ में आगामी 5 फरवरी को मोक्ष की कामना लेकर देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेंद्र दामोदर ढाढ़स मोदी जी भी डुबकी लगाने आने वाले है। वे अब यहां डुबकी लगाने आएंगे या मृतकों और घायलों के परिजनों को सांत्वना देने ,ये पता नहीं है। लेकिन वे आएंगे जरूर। क्योंकि महाकुम्भ में डुबकी लगाए बिना कोई सनातनी कैसे कहलायेगा ? लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गाँधी ने महाकुम्भ में डुबकी नहीं ली इसलिए वे सनातनी नहीं हैं।

राकेश अचल

वे इस हादसे के बाद दिल्ली विधानसभा का चुनाव प्रचार छोड़कर प्रयागराज आएंगे या नहीं कोई नहीं जानता ,लेकिन इस हादसे से दिल्ली विधानसभा चुनाव प्रचार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का जाना अब कठिन हो गया है और योगी जी के दिल्ली जाये बिना विधानसभा चुनाव में भाजपा का बेड़ा पार लग नहीं सकता।

फ़िलहाल मैं परिजनों में हुई भगदड़ में मरे गए सनातनियों के परिजनों के प्रति संवेदना से भरा हुआ हूँ। मुझे घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने के लिए ईश्वर से प्रार्थना भी करना है। मैं चाहूंगा की मृतकों को ऊपर वाला सीधे मोच्छ प्रदान करे। मुझे न मोच्छ चाहिए और न अपने पाप गंगा में धोना हैं इसलिए मैं दूर से ही गंगाजी को प्रणाम कर रहा हूँ। आपसे भी निवेदन है कि अपने घर पर ही रहें और महाकुम्भ में अव्यवस्था की बेदी पर शहीद हुए लोगों की आत्मा की शानती के लिए प्रार्थना करें, मौन रहें।

दिन दहाड़े महिला के गले से अज्ञात व्यक्ति ने मंगलसूत्र निकाला, घटना से भय

माही की गूंज, आम्बुआ।

कस्बे के व्यस्त क्षेत्र में सोमवार को की शाम लगभग 5:30 बजे एक महिला दुकान से घर जा रही थी, पुराने बस स्टैंड क्षेत्र में एक अज्ञात व्यक्ति उसके गले से मंगलसूत्र झपट कर बाइक पर सवार होकर भाग निकलने मे कामयाब रहा। घटना की सूचना पर पुलिस थाना आम्बुआ में प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज कराई गई।

गूंज संवाददाता को कस्बा निवासी बबलू सोलंकी ने बताया कि सोमवार की शाम 5:30 बजे मेरी पत्नी श्रीमती सपना दुकान बंद कर घर जा रही थी। पुराने बस स्टैंड क्षेत्र में एक अज्ञात युवक जो कि बाइक पर सवार था ने किसी का पता पूछा और झपट्टा मारकर गले में पहना हुआ मंगलसूत्र को खींचकर कर भाग गया, जब तक वह कुछ समझ पाती अज्ञात युवक निकल चुका था। घटना की सूचना पुलिस थाना आम्बुआ में दी गई जहां पर अप. क्र. 25/2025 धारा304(2) बी एस एन के तहत प्रकरण कायम किया गया है तथा विवेचना जारी है। इस अप्रत्याशित घटना से कस्बे में हड़कंप मचा है, महिलाओं में भय व्याप्त है।

स्मरण रहे कि, कस्बे में हुड़दंग मचाने वाले बाइकर्स के कारण लोग परेशान हैं तथा विगत वर्ष नागरिकों ने इन पर लगाम लगाने के लिए आवेदन पुलिस थाना आम्बुआ में दिया था साथ ही सुरक्षा समिति की बैठकों में भी यह मुद्दा अनेकों बार उठाया गया मगर कोई कार्रवाई नहीं हुई जिस कारण आसामाजिक तत्वों के हौंसले बुलंद हैं। कस्बा निवासियों की प्रशासन से मांग है कि इस ओर ध्यान देना जरूरी है।वरना भविष्य में कोई बड़ी घटना घटित हो सकती है।

एएसआई बीट प्रभारी केएल अलावा ने बताया कि, घटना की सूचना प्राप्त हुई है उसकी तफ्तीश जारी है, शीघ्र ही आरोपी गिरफ्त में होगा।

मौनी अमावस्या पर राम घाट पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

माही की गूंज, उज्जैन।

मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने उज्जैन के क्षिप्रा नदी पर स्थित राम घाट पर आस्था की डुबकी लगाई। यहां के पुजारियों के अनुसार, आज के दिन स्नान करने का बहुत महत्व है। खासतौर पर आज के दिन दान करने से पुण्य मिलता है।

प्रयागराज में त्रिवेणी संगम की तरह क्षिप्रा नदी का महत्व भी काफी ज्यादा है। इसलिए बुधवार को यहां पर काफी संख्या में श्रद्धालुओं ने डुबकी लगाई और पूजा-अर्चना की। यहां पर श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए जिला प्रशासन ने कड़े इंतजाम किए थे। प्रशासन द्वारा लगातार श्रद्धालुओं से अपील की जा रही है कि वे गहरे पानी में न उतरें। प्रशासन ने मौके पर तैराक दल और होमगार्ड जवान की ड्यूटी लगाई है।

श्री राम घाट के पंडित महेंद्र जोशी ने बताया कि माघ की मौनी अमावस्या है। प्रयागराज में 144 साल बाद यह पर्व आया है। श्री राम घाट की महिमा भी बेहद खास है। ऐसी मान्यता है कि जो श्रद्धालु यहां पर प्रयागराज की त्रिवेणी संगम का स्मरण कर स्नान करते हैं, तो उन्हें प्रयागराज में नहाने का फल ही प्राप्त होता है। उन्होंने बताया कि सुबह 4 बजे ही लोग यहां पर स्नान करने के लिए पहुंचने लगे थे। यहां पर प्रशासन ने भी उचित व्यवस्था की है।

घाटों पर श्रद्धालुओं ने भी शांति बनाए रखी। किसी भी तरह से कोई जल्दबाजी देखने को नहीं मिली। क्षिप्रा नदी में स्नान करने के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिरों में विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की।

मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने क्षिप्रा घाट के अलावा नर्मदा के सेठानी घाट पर आस्था की डुबकी लगाई। गरीबों में दान किया गया। श्रद्धालुओं के अनुसार आज दान करने का काफी महत्व है। इसे पितरों की तृप्ति मिलती है। इसलिए भारी संख्या में लोग आज स्नान करने के लिए घाटों पर आते हैं। स्नान करने से दोष भी दूर होते हैं।

बाल आयोग सदस्य श्रीमती निनाम की अध्यक्षता में समन्वय बैठक का आयोजन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

मध्यप्रदेश राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के निर्देशानुसार बाल आयोग सदस्य श्रीमती सोनम निनाम की अध्यक्षता में समन्वय बैठक का आयोजन कलेक्टर सभा कक्ष में किया गया। इस दौरान सदस्य श्रीमती निनामा ने उपस्थित संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि, मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता एवं भोजन की मात्रा पर विशेष ध्यान दिया जाए सभी शैक्षणिक संस्थान में शौचालय का निर्माण एवं साफ सफाई पर प्रत्येक विद्यालय को निर्देशित किया जाए। जिले में संचालित सभी मान्यता प्राप्त विद्यालयों को निर्देशित किया जाए कि शिक्षक एवं वाहन चालकों का पुलिस सत्यापन आवश्यक रूप से करा कर मुख्यालय को अवगत कराएं एवं जिले में समस्त छात्रावासों में नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण कराए।

इस दौरान उन्होंने विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी विद्यालय एवं छात्रावास परिसर की जांच करें कहीं कोई बिजली के तार खुल तो नहीं है साथ ही ट्रांसफार्मर भी सुरक्षित है। उन्होने श्रम विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले में कोई बाल मजदूर न करें। कार्य योजना एवं एक अभियान चलाकर कर बाल श्रम पर पूर्णतः रोक लगाई जाए। उन्होने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिला परिवहन अधिकारी के साथ समन्वय स्थापित कर समस्त स्कूल बस एवं अन्य वाहन की जांच करें साथ ही सुनिश्चित करें कि समस्त स्कूल वाहन शासन के नियम का अनुसार संचालित है। उन्होने स्वास्थ्य विभाग के अमले को निर्देशित करते हुए कहा कि जिले में दिव्यांग बच्चों के नियमित रूप से स्वास्थ्य परीक्षण करें।

इस दौरान प्रभारी जिला कार्यक्रम समन्वयक एवं अपर कलेक्टर वीरेन्द्र सिंह बघेल, डिप्टी कलेक्टर निधि मिश्रा, महिला बाल विकास, शिक्षा विभाग, आदिम जाति कल्याण विभाग, श्रम विभाग, विद्युत विभाग आदि संबंधित विभाग प्रमुख उपस्थित थे। उक्त जानकारी महिला एवं बाल विकास जिला कार्यक्रम अधिकारी द्वारा दी गई।

कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को दी भावभीनी बिदाई

माही की गूंज, चं.शे. आजाद नगर।

नगर के शासकीय उत्कृष्ट उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय में सत्र 2024-25 में अध्यनरत छात्र-छात्राओं को कक्षा नौवीं से ग्यारहवीं के छात्र-छात्राओं द्वारा भावभीनी समारोह पूर्वक बिदाई दी। इस अवसर पर विद्यालय में कक्षा ग्यारहवीं के विद्यार्थियों द्वारा संक्षिप्त सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियों के साथ छात्र-छात्राओं के लिए खेल व रोल प्ले का भी आयोजन किया। बिदाई समारोह के अवसर पर संस्था प्राचार्य निलेश शाह ने विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए आगे भी जीवन में अनुशासित रहकर अध्ययन करने, विद्यालय परिवार व नगर के नाम रोशन करने की बात कही। संस्था शिक्षक हेमेन्द्र गुप्ता द्वारा विद्यार्थियों से कहा जबभी आवश्यक हो मार्गदर्शन हेतु संस्था में संपर्क बनाए रखे ।शिक्षक गुप्ता ने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कक्षा 12वीं एवं 11वीं के विद्यार्थियों द्वारा अपने-अपने विचार रखें ।

इस अवसर पर कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों को 11वीं के विद्यार्थियों द्वारा भेंट स्वरूप फाईल फोल्डर दिये गये। अंत में कक्षा 9वी से12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए स्नेह भोज का आयोजन भी किया गया।

कार्यक्रम का संचालन कक्षा 11वीं की छात्रा साधना मुवेल ने किया । आभार छात्रा हवरा अब्बास ने माना।

जिले में एडीप योजनांतर्गत शेष दिव्यांगजनों को उपकरणों का वितरण सुनिश्चित करें - सीईओ

माही की गूंज, धार।

जिले में एडीप योजनांतर्गत शेष दिव्यांगजनों को उपकरणों का वितरण शत प्रतिशत सुनिश्चित करें। इसके अलावा पंचायत स्तरों पर पेंडिंग समग्र की सीएम हेल्पलाइन का निराकरण शीघ्र करें। प्रति गुरुवार को जिला अस्पताल में लगने वाले दिव्यांग मेडिकल बोर्ड के कार्यों को देखे कही कोई शिकायत न आए। सभी को इसका लाभ मिल सके। उक्त निर्देश जिला पंचायत सीईओ अभिषेक चौधरी ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित नशा मुक्त भारत अभियान अंतर्गत गठित जिला स्तरीय समिति की बैठक में सामाजिक सुरक्षा विस्तार अधिकारियों को दिए। बैठक में संयुक्त कलेक्टर जगदीश मेहरा सहित संबंधित अधिकारी और समिति के सदस्यगण मौजूद रहे। सीईओ चौधरी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि नशा मुक्त अभियान के संबंध में जागरूकता लाने की सामग्रियां महिला एवं बाल विकास विभाग, वन विभाग, आबकारी विभाग, पुलिस विभाग सहित अन्य संबंधित विभागों को जारी करें। ताकि वे भी अपने स्तर पर जिले में नशा मुक्ति अभियान से जुड़ सकें और लोगों को जनजागरूकता फैला सकें। नशा ना करने की दिलाई शपथ जिला पंचायत सीईओ अभिषेक चौधरी ने सभागार में उपस्थित सभी अधिकारियों, कमर्चारियों को नशा ना करने की शपथ दिलाई। उन्होंने शपथ दिलाई कि ÷युवा किसी भी राष्ट्र की ऊर्जा होते हैं तथा युवाओं की शक्ति का समाज एवं देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान है। अतः यह अति आवश्यक है कि नशामुक्त भारत अभियान में सर्वाधिक संख्या में युवा जुड़े। देश की इस चुनौती को स्वीकार करते हुए हम आज नशामुक्त भारत अभियान के अंतर्गत एक जुट होकर प्रतिज्ञा करते हैं कि न केवल समुदाय, परिवार, मित्र, बल्कि स्वयं को भी नशामुक्त कराएँगे क्योंकि बदलाव की शुरुआत अपने आप से होनी चाहिए। इसलिए आइए हम सब मिलकर अपने ज़िले / राज्य को नशामुक्त कराने का दृढ निश्चय करें। मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि अपने देश को नशामुक्त करने के लिए अपनी क्षमता के अनुसार हर सम्भव प्रयास करूँगा÷।

दाऊदी बोहरा समाज की सबसे नन्ही बच्ची 4 माह की जहरा ने किया रोजा

माही की गूंज, आम्बुआ।

दाऊदी बोहरा समाज में वर्ष में एक बार नन्हे मुन्ने बच्चों को रोजा कराया जाता है, जिसे मोती-ए-शवालात के नाम से जाना जाता है। आज के दिन इस रोजे को सम्पूर्ण विश्व में दाऊदी बोहरा समाज के छोटे से छोटे बच्चो से लगाकर बुजुर्गो तक रोजा करना फरीजत और बेहद सवाब का माना जाता है।

रज्जब माह की 27 तारीख को यह रोजा पूरी आस्था और निष्ठा के साथ किया जाता है। आम्बुआ ग्राम के सभी बच्चो ने आज रोजा रखा है जिसमे सबसे कम उम्र के पहला रोजा मोहम्मद अब्दुलकदर,ने रखा वा इन्सिया मोटरवाला, सैफुद्दीन मुर्तुजा, सकीना कोहा, नफीशा कोहा, जैनब अब्देअली, मोहम्मद राज टेलर, रुकय्या राज टेलर, बुरहानुद्दीन बोरझाड़, मालिक बोरझाड़, हुजैफा अंडावाला सैफुद्दीन हुसैन, हुसैन हुजैफा इंडियन, कुशय हकीमुद्दीन ने भी पूरे दिन 13 घंटे का रोज़ा किया। साथ ही ग्राम के 25 से 30 बच्चों ने भी रोजा रख कर परिजनों को सबाब में सामिल किया। बोहरा समाज के इन नन्हे मुन्ने बच्चो के रोजा रखने पर समाजन की ओर से बच्चों को चॉकलेट बिस्किट वा उपहार दिए गए वा वरिष्ठ पत्रकार जगराम विश्वकर्मा, सरपंच रमेश रावत अमान पठान ने बच्चो एवं परिजनों को मुबारकबाद पेश करते हुवे, उज्जवल भविष्य की कामना की है।

जनजाति गौरव एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

माही की गूंज, धार।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस महाराजा भोज शासकीय महाविद्यालय धार में शासन के निर्देशानुसार उच्च शिक्षा विभाग द्वारा प्राचार्य डॉ. एस एस बघेल, प्रशासनिक अधिकारी डॉ. गजेंद्र उज्जैनकर एवं डॉ. आरएस मंडलोई के मार्गदर्शन में जनजाति गौरव एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन बुधवार को किया गया।

मुख्य वक्ता रूपसिंह नागर ने संबोधित करते हुए कहा कि जनजातियों ने देश के लिए 100 से अधिक क्रांति की, जो कि गुमनामी के अंधेरे में खो गई। आदिवासी समाज में न्याय पद्धति, नवाई, विवाह पद्धति का दर्शन भारतीय दर्शन में देखने को मिलता हैं। जनजाति समाज के जननायकों ने श्री राम, श्री कृष्ण से लेकर महाराणा प्रताप, रानी दुर्गावती, झांसी की रानी आदि महापुरुषों के साथ में कंधे से कंधा मिलाकर अंग्रेजों के खिलाफ और देश के हित के लिए उन्होंने अपना बलिदान दिया। कोई भी जन नायक किसी एक जाति समूह या धर्म का नहीं होता, वह पूरे राष्ट्र का गौरव होता है, उनकी वीर गाथाएं व उनकी जयंती पूरे देश और समाज को मनाना चाहिए। इस अवसर पर प्रफुल्ल जोशी ने कहा कि जनता को जनजातियों के बारे में जानना आवश्यक है और शासन ने भी एक बहुत अच्छी पहल की। अरविंद डाबर ने समाज को स्वाभिमानी बताया क्योंकि यह समाज कभी भीख मांग कर नहीं खाता है। जनजातीय समाज वैज्ञानिकता को बहुत महत्व देता है वही महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ बघेल की अध्यक्षीय उद्बोधन में कहा कि जनजाति समाज ने 16वीं शताब्दी से लेकर 21 वीं शताब्दी विशेष योगदान दिया। उन्होंने इस कार्यशाला का उद्देश्य बताते हुए नायकों की जो प्रदर्शनी प्रस्तुत की गई, उच्च शिक्षा द्वारा उनके बारे में शोध करने के लिए प्रेरित किया। इसके पश्चात छात्र-छात्राओं द्वारा आदिवासी लोक नृत्य प्रस्तुत किया गया आभार डॉ. दारा सिंह वास्केल ने माना। कार्यक्रम का संपूर्ण संचालन डॉ. आरसी घावरी एवं छात्रा कुमारी प्रीति जमरा के द्वारा किया गया अंत में राष्ट्रगान हुआ। डॉ एन एस सोलंकी और डॉ टी सी नरगावे सम्पूर्ण रूपरेखा जानकारी ने दी। संपूर्ण कार्यक्रम के प्रभारी डॉ. केसर सिंह चौहान संस्कृत विभाग के विभाग अध्यक्ष थे।

एक लक्ष्य निर्धारित कर आगे बढ़े, साथ ही उसके प्रति संकल्पित हो- पटेल

माही की गूंज, आम्बुआ।

आज के युवा कल का भविष्य हैं, उन्हें जीवन में आगे बढ़ने के लिए विधार्थी जीवन में ही यह तय करना होगा कि उन्हें क्या बनना है,उसके लिए एक लक्ष्य निर्धारित करें और उसके प्रति संकल्पित हों, तभी आप सफल हो सकेंगे।

उक्त विचार पी.एम श्री उ मा वि आम्बुआ में आयोजित केरियर मार्ग दर्शन कार्यक्रम में सेवा निवृत्त न्यायाधीश श्री भारत सिंह रावत (पटेल) ने व्यक्त किए, आगे उन्होंने उपस्थित कक्षा 10वीं एवं 12वीं के विद्यार्थियों के लिए शासन की ओर से भविष्य में केरियर मार्ग दर्शन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए आगे बताया कि आपको जिस क्षेत्र में जाना है उसी के अनुसार विषयों का चयन करें और अपने भविष्य का निर्माण करें।

कार्यक्रम में उपस्थित डॉ. आयुष पाटीदार ने बताया कि युवा अपनी पढ़ाई के समय ही यह? विचार कर लें कि उन्हें किस क्षेत्र में जाना उसी के अनुसार अपना अध्ययन करें प्रतिस्पर्धा के इस युग में लक्ष्य अवश्य निर्धारित करें परेशानी आने पर वरिष्ठ जनों से मार्ग दर्शन लेने में झिझक महसूस न करें।

कार्यक्रम में बच्चों को मार्ग दर्शन देते हुए संस्था के प्रभारी प्राचार्य लोंगसिंह भयडिया ने बताया कि, बच्चे पढ़ाई के दौरान जब विषयों का चयन करें तो उसमें अपनी रूचि का ध्यान रखें। ऐसा न करें कि आप की रूचि उस विषय में नहीं है मगर आपका मित्र जो विषय ले रहे हैं। आप भी वही विषय ले लें क्योंकि आप दोस्त को छोड़ना नहीं चाहते हैं। इस लिए भीड़ का हिस्सा न बन कर अपने विवेक से अपना केरियर बनाने का प्रयास लक्ष्य निर्धारित कर करने की ओर कदम बढ़ाएं।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए शिक्षक गोपाल गोयल ने बताया कि, शासन की ओर से यह केरियर मार्ग दर्शन कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। आज सरकारी नौकरी के लिए प्रतिस्पर्धाएं बढ़ रही हैं इस लिए तैयारी भी उसी हिसाब से करना जरूरी है। सरकारी नौकरी के अलावा निजी क्षेत्रों में तथा व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त कर के भी अपना केरियर बनाने का प्रयास किया जा सकता है।

इस आयोजन में पी एम श्री उ मा वि आम्बुआ,बोरझाड तथा बड़ी जुआरी कालूवाट एवं मां पार्वती मेमोरियल स्कूल के छात्र छात्राओं ने भाग लिया, कार्य क्रम के पूर्व कार्य क्रम की अध्यक्षता कर रहे भारत सिंह रावत, डॉ आयुष पाटीदार एवं वरिष्ठ पत्रकार जगराम विश्वकर्मा ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण किया गया, अतिथियों का स्वागत संस्था परिवार द्वारा किया गया, अतिथियों द्वारा कंप्यूटर कक्ष एवं अन्य प्रदर्शनियों का अवलोकन किया गया।

भारत पर्व के अंतर्गत कलेक्टर ने किया प्रदर्शनी का अवलोकन

माही की गूंज, अलीराजपुर।

76 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर लोकतंत्र का लोक उत्सव भारत पर्व कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर डॉ. अभय अरविंद बेडेकर एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर सिंह की उपस्थिति में कॉलेज ऑडिटोरियम में हुआ। इस कार्यक्रम में जनसम्पर्क विभाग द्वारा शासकीय योजनाओं को परिलक्षित करती प्रदर्शनी तथा संस्कृति विभाग द्वारा हमारा संविधान हमारा स्वाभिमान प्रदर्शनी भी लगाई गई थी। कलेक्टर डॉ. बेडेकर एवं अन्य जिला अधिकारियों के साथ गणमान्य नागरिकों ने प्रदर्शनी का अवलोकन कर शासकीय योजनाओं एवं संविधान के महत्व के विषय में जाना। इस दौरान अनुविभागीय अधिकारी तपीस पांडे, एसआर यादव सहित अन्य अधिकारीगण एवं बडी संख्या में अलीराजपुर जिले के नागरिक उपस्थित थे।

रुक-रुक कर व अनिमित्ता पूर्ण कार्य करने वाला भ्रष्ट ठेकेदार कहता है कार्य सही हो रहा है...

मामला: वाइब्रेट डेवलपर कंपनी द्वारा जल जीवन जल मिशन में अनियमिता पूर्ण कार्य करने का....!

माही की गूंज़, झाबुआ।

हर घर नल ,हर घर जल के उद्देश्य के साथ जल जीवन जल मिशन योजना केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संयुक्त योजना चलाई जा रही है। लेकिन जल जीवन जल मिशन के तहत म.प्र. में किस गुणवत्ता के साथ कार्य किया जा रहा है...? यह खुलासा पिछले समय में भी हो चुका है। तथा प्रदेश की जनता के सामने भी आ चुका है कि, म,प्र में उक्त योजना के तहत जो कार्य किया जा रहा है। वह भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है।

झाबुआ जिले की बात करें तो, उक्त योजना के तहत जिस भी पंचायत या नगर में कार्य किया गया, उस कार्य की अनियमिताएं और भ्रष्टाचार के अनेकों खुलासे समाचार पत्रों में भी हो चुके हैं। जिले की प्रशासनिक समीक्षा में भी जल जीवन,जल मिशन के तहत अनियमत्ता सामने आई है। लेकिन कार्रवाई के नाम पर औपचारिकताओं के कागजी घोड़े भी दौड़ाए जा रहे है। जिसका उदाहरण झाबुआ जिले की थांदला जनपद क्षेत्र में भी सामने आया है। जिला प्रशासन ने थांदला जनपद क्षेत्र में उक्त योजना के तहत चल रहे कार्य में नोटिस-नोटिस का खेल खेलते हुए थांदला पीएचई विभाग के सब डिवीजन के सब इंजीनियर को क्षेत्र में जल जीवन, जल मिशन के तहत अनिमित्ता पाए जाने पर नोटिस दिए गए और उक्त नोटिस के कागजी घोड़े के साथ कार्यवाही की इति श्री हो गई।

ऐसे में धूल-मूल प्रशासनिक कार्रवाई की व्यवस्थाएं, मूलभूत व्यवस्थाओं से जुड़ी जल जीवन,जल मिशन की उक्त योजना किस तरह से जिले में भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ी हुई है। यह शायद हमें कहने व लिखने या बताने की आवश्यकता अब नहीं बची है... !

नतीजन प्रशासन कार्रवाई के नाम पर सिर्फ कागजी घोड़े दौडा रहे हैं। वहीं उक्त योजना में अधिकतर कार्य गुजरात प्रांत के ठेकेदार कर रहे हैं। वही कोई पत्रकार द्वारा उक्त योजना के तहत अनिमित्ता पूर्ण कार्य के खुलासे किए जाते हैं, तो ऐसे में गुजराती ठेकेदार समाचार पत्र के स्थानीय प्रतिनिधि को दबाने के लिए झूठी शिकायत संपादकों तक कर, निर्माण कार्य विधि सम्मत करने का हवाला दे रहे हैं।

माही की गूंज में प्रकाशित समाचार के बाद ब्रेकर से खुदाई करने का कार्य 4 दिन किया।

थांदला जनपद क्षेत्र के बड़ी धामनी व परवाड़ा की पंचायत में उक्त योजना के तहत कार्य करने वाली वाइब्रेट डेवलपर कम्पनी द्वारा अनिमित्ता पूर्ण कार्य किए जाने के खुलासे माही की गूंज ने दोनों पंचायत के किए थे। उक्त खुलासे के बाद परवाड़ा में चल रहे कार्य के खुलासे के बाद संपादक कार्यालय में फोन लगाकर अपने आप को वाइब्रेट डेवलपमेंट कंपनी का ठेकेदार डी,आर पटेल होना बताकरर कहा कि, हमारा कार्य पूर्ण रूप से सही वह गुणवत्ता पूर्ण चल रहा है ।आपके प्रतिनिधि हमसे पैसा मांगते हैं। पैसा नहीं देने पर समाचार छापे जा रहे हैं। संपादकीय कार्यालय से ज़ब मामले की जानकारी निकाली तो सामने आया कि ठेकेदार द्वारा मनमानी रूप से कार्य किया जा रहा था। कार्य में 1 मीटर की खुदाई के बिना कार्य कर सड़क के ऊपरी तल पर ही नाली खोद पाइप बिछाए जा रहे थे। जिसका खुलासा माही की गूंज में होने के बाद ठेकेदार को मजबूरी वश ब्रेकर मशीन लगाकर खुदाई का कार्य करना पड़ा। उक्त कार्य ब्रेकर लगाकर तीन-चार दिन दिसंबर माह में किया गया। इसके बाद मामले को ठण्डा पटकने के लिए कार्य को बंद कर दिया जाता है। और बीच में एक या दो-तीन दिन कार्य करता है, और फिर बंद कर दिया जाता है। ऐसे में अपने आप को फोन पर ठेकेदार डी, आर पटेल बताने वाला कहता है, कार्य गुणवंता पूर्ण चल रहा है और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर आकर गुणवत्ता पूर्ण कार्य हो रहा है ऐसा जायजा ले चुके हैं...।

हमारा यहां यह कहना है कि, परवाड़ा सहित जनपद क्षेत्र में हो रहे अनियमित पूर्ण कार्य के तहत जिला प्रशासन, इंजीनियर को नोटिस थमा रहे हैं...। वहीं प्रशासनिक अधिकारी नोटिस को अपने आप को पांव की जूती में कुचलकर अनिमित्ता कार्य को गुणवत्ता वाला कार्य बता रहे हैं। उक्त वस्तु स्थिति से यही सामने आता है कि, प्रशासनिक नुमाइंदे कार्रवाई के नाम पर कागजी घोड़े दौडाकर आम जनता को गुमराह कर रहे हैं। तथा वाइब्रेट डेवलपमेंट कंपनी की तरह जिले में अन्य ठेकेदार द्वारा भी अनियमित्ताओ के तहत कार्य किया जा रहा है। और ठेकेदार, प्रशासनिक नुमाइंदों को रेवड़ी खिलाकर खुश कर रहे हैं। इसमें सबसे बड़ी बात यह भी सामने आती है कि, सरकार में बैठे जनप्रतिनिधि तो ठीक विपक्ष भी उक्त योजना में हो रहे भ्रष्टाचार व अनियमिताओं को देखकर भी गांधी जी के बंदर की तरह आंख मूंद कर बैठे है।

वही मामले में प्रभारी सब इंजीनियर कुसुम कवचे से ज़ब प्रतिनिधि ने चर्चा की तो उन्होंने बताया कि, पूर्व में जो इंजीनियर जीएस चौधरी साहब थे उनके कार्यकाल के समय के हुए कार्य में अनियमित्ता के कारण नोटिस मिला है। अभी में साइट पर विजिट ही कर रही हूं ओर ओर जांच कर रही हु कि, कहां-कहां कमी है उसके बाद ठेकेदारों को नोटिस देकर तलब किया जाएगा। तथा जो भी दोषी होगा उस पर वैधानिक कार्रवाई करने का आश्वासन भी सब इंजीनियर ने दिया।

किस तरह की कार्यवाही की जाती है या फिर यह इंजीनियर मेडम भी लीपा पोती कर ठेकेदार को तलब कर गांधी छाप प्राप्त के साथ भृष्ट कार्य को भी गुणवत्ता वाला बता कर कार्रवाई के नाम पर कागजी घोड़े दौड़ाकर अपना कार्य करेगी ! यह आगे तो आगे ही पता चलेगा।

चर्चाओं पर छपी खबर पर मोहर लगा दी नगरपालिका में बैठे भामाशाहों ने

50 से अधिक गुमटियों पर लाखों की सेटलमेंट राशि की चर्चाओं ने मचा दी खलबली

माही की गूंज, झाबुआ।

पिछले अंक में माही की गूंज ने शहर में चल रही चार्चाओं पर एक खबर प्रकाशित की थी। उक्त खबर के प्रकाशित होने के बाद नगरपालिका व उनके समर्थकों में मानों जैसे भूचाल आ खड़ा हुआ और बडी खलबली मच गई। मानों जैसे माही की गूंज में छपी खबर की, नगरपालिका में बैठे भ्रष्ट व भामाशाह पूष्टि कर रहे हो। नगरपालिका में बैठे भामाशाहों की बैचेनी यह बताती है कि, मानो दाल में कुछ काला नहीं बल्कि पूरी दाल ही काली हो?

मामला सिद्धेश्वर मंदिर के समीप नगरपालिका द्वारा लगाई गई 50 से अधिक गुमटियों का है। जहां पहले छोटे रेड़ी व्यापारियों ने अतिक्रमण कर अपनी दुकानें लगा रखी थी और वे अपनी रोजी-रोटी चलाते थे। नगरपालिका ने उन्हे हटाकर खुद उस जगह पर अतिक्रमण कर लिया है और 50 से अधिक गुमटियां खुद नगरपालिका ने यहां रख दी है। बकायदा नगरपालिका इन गुमटियों को कुछ शर्तों के साथ बैच भी रही है। इन गुमटियों के एवज में खरीददारों से मोटी रकम वसूली जा रही है, लेकिन उन्हे रसीद सिर्फ उपरी राशि की ही दी जा रही है। एक बड़ी रकम नगरपालिका खरीददारों से सेटलमेंट के नाम से वसूल रही है। अभी तक यह चर्चा सिर्फ चौराहों पर ही सीमित थी। लेकिन इन चर्चाओं के माही की गूंज अखबार में प्रकाशित होने के बाद मानो नगरपालिका में भूचाल आ गया हो। इस खबर के प्रकाशन के बाद नगरपालिका में बैठे भामाशाह अखबार व खबरनवीसों के बारे में पूछताछ भी करने लगे। अपना हर वह जरिया इस्तेमाल कर रहे है जो वे कर सकते है। अब प्रश्न यह उठता है कि, नगरपालिका के भ्रष्ट और भामाशाह खबर प्रकाशित होने के बाद खबरनवीसों से सेटलमेंट करना चाहते है या धमकाना यह तो वही जाने...?

नगरपालिका में हो रही हलचल कुछ तो बयां करती नजर आ रही है, जो सही तो बिल्कुल भी नहीं है। खबर प्रकाशित होने के बाद मामला कुछ और अधिक जोर से चर्चाओं में आ खड़ा हुआ है। नगरपालिका से कई पत्रकारों से फोन पर चर्चा की जा रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि, आखिर यह है कौन जिसने यह खबर प्रकाशित की है। सुनने में तो यह भी आया है कि इस मामले को लेकर नगरपालिका के अंदर भी गुप्त बैठके हुई है, जिसमें इस विषय को शांत करने की चर्चाएं भी हुई है। मगर नगरपालिका में बैठे भामाशाहों की यह बैठक और चर्चा कहां तक सफल हुई इसकी कोई जानकारी अब तक निकलकर सामने नहीं आई है। मगर इतना तय है कि, माही की गूंज में छपी खबरों पर नगरपालिका में बैठे भामाशाहों

माही की गूंज | झाबुआ आसपास | 23 जनवरी 2025 | 3

1 लाख 30 हजार के लगभग की बताई जा रही गुमटी, पर रसीद सिर्फ 30 हजार की क्यों...?

चौराहों पर चर्चाओं में गर्माता नगरपालिका की 50 से अधिक गुमटियों का मामला

माही की गूंज, झाबुआ।
मुज्जमील मंसूरी

व उनके समर्थकों ने पुष्टी की मोहर लगा दी है। इस मामले में माही की गूंज को आने वाले फोन कॉल भी इस बात की पुष्टी करते है कि, दाल में कुछ काला नहीं बल्कि पूरी दाल ही काली है।

जिस जगह पर नगरपालिका ने अतिक्रमण हटाकर अपनी 50 से अधिक गुमटी रखी है वहा कोई जमीन नहीं है बल्कि एक सार्वजनिक नाला है, जो सीधे तौर पर छोटे तालाब का वेस्ट वेयर है। हालांकि इस नाले में शहर की कई बस्तियों के गंदे पानी की निकासी भी है और यह जाकर रामकुले नाले में मिलता है। सवाल यह भी है कि, जब नाले पर से व यातायात को सुगम बनाने के लिए यहां से अतिक्रमण हटाया गया था तो फिर नगरपालिका ने किस नियम व प्रावधान के तहत इस नाले पर कब्जा कर अपनी गुमटियां रख दी...? जबकि इस जगह पर नगरपालिका की कोई शासकीय जमीन मौजूद ही नहीं है। नाले पर लगी गुमटियों के पीछे पशु चिकित्सा विभाग की जमीन है जिस पर बकायदा बाउंड्रीवाल बनी हुई है और उसी बाउंड्रीवाल से सटा हुआ है नाला। इस नाले पर नगरपालिका ने अतिक्रमण कर गुमटियां रख दी है और उसे बैचने के नाम पर अवैध उगाही जारी है। रखी गई गुमटियों के सामने से होकर सिद्धेश्वर कॉलोनी, रोहीदास मार्ग व इससे जुड़े शहर के अन्य हिस्सो को जोड़ने वाला मुख्य मार्ग है। पहले नगर पालिका ने इस मुख्य मार्ग पर यातायात बाधित होने व जाम लगने तथा अतिक्रमण होने के चलते खुद ने ही अतिक्रमण मुहिम छेड़ी थी। इस अतिक्रमण मुहिम में बकायदा बुलडोजर का उपयोग भी किया गया था। जिससे कई गरीब व्यापारियों की गुमटियां ध्वस्त कर दी गई थी और उन्हे लाखों रूपये का नुकसान उठाना पड़ा था।

सवाल यह भी उठता है कि, जब अतिक्रमण कर अतिक्रमणकर्ताओं ने दुकानें किराये पर व्यापारियों को दी थी तो वह गलत था, मगर अब खुद नगरपालिका इस कृत्य को अंजाम दे रही है...? मगर अब भी स्थिति वही है। जो व्यापारी यहां किराए की गुमटी में व्यापार करते थे, वह नगरपालिका की पैसे उगाओ महत्वकांक्षी योजना के बावजूद खाली हाथ ही है। उनके हाथ में न तो गुमटी है ना ही पैसा। क्योंकि यह गुमटियां उन्ही को दी जा रही है जिनका कब्जा था और कब्जा व्यापारियों का नहीं अतिक्रमणकारियों था। जिसमें कई पूर्व व वर्तमान पार्षद भी शामिल है।

अब इस पूरे मामले में सबसे बड़ी विडम्बना यह कि न तो नगरपालिका की यहां कोई जमीन है और ना ही कोई दुकान तो फिर आखिर नगरपालिका बैच क्या रही है, अतिक्रमण.. ? जिसकी कीमत लाखों रूपये है...? यह कहना भी गलत नहीं होगा कि, नगरपालिका और उसमें बैठे भ्रष्ट व भामाशाह यहां अपनी काबिलियत का परिचय दे रहे है। इसे इस कहानी से समझे कि ''कौन कहता है कि व्यापार करने के लिए अनुभव की जरूरत होती है। देखो, हमारे शरीर में 75 प्रतिशत पानी है, पृथ्वी पर 71 प्रतिषत पानी है, और साढ़े 4 सौ करोड़ सालों से यह यूं ही मुफ्त में बह रहा है। फिर एक दिन एक डेढ़ शाणा आता है वह इस मुफ्त के पानी को एक प्लास्टिक की बोतल में भरता है और 20-20 रूपये में बैचता है और दुनिया के कुछ बेवकूफ लोग उसे खरीदते है। कहानी का नैतिक संदेश यह है कि, अगर आपको बाजार में बैचना आता है तो फिर आप कुछ भी बैच सकते हो, चाहे वह धूल ही क्यों न हो।''

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा। मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422